RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ...सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

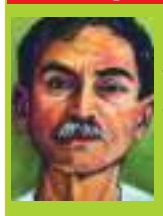

पहाड़ों की कंदराओं में बैठकर तप कर लेना सहज है, किन्तु परिवार में रहकर धीरज बनाये रखना सबके वश की बात नहीं!

मुंशी प्रेमचंद

वर्ष-05, अंक - 04 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 27 अक्टूबर 2022 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

2024 चुनाव : ताकत दिखाएगी नई सीडब्लूसी

नई दिल्ली, एजेंसी।

कांग्रेस पार्टी की कमान मल्लिकार्जुन खड़गे को मिलने के बाद बड़े परिवर्तन देखने को मिल रहे हैं। कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्लूसी) को भंग करके बुधवार को संचालन समिति बनाई गई है जिसमें 47 सदस्य हैं। जब तक नई सीडब्लूसी नहीं बनाई जाती, संचालन समिति के जरिए ही पार्टी के महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे। इसमें सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह समेत बड़े नेताओं को जगह दी गई है।

मल्लिकार्जुन खड़गे के खिलाफ अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने वाले शशि थरूर को इस पैनल में सदस्य नहीं बनाया गया है। इसके अलावा जी 23 ग्रुप में शुमार मनीष तिवारी को भी पैनल से बाहर रखा गया है। वहीं एके एंटनी, अभिषेक मनु सिंघवी, अजय माकन, अंबिका सोनी, आनंद शर्मा, अविनाश पांडे. केसी वेणुगोपाल, जयराम रमेश, मुकुल वासनिक, पी चिदंबरम, सुरजेवाला, दिग्विजय सिंह और तारिक अनवर संचालन समिति का हिस्सा हैं।

ये है कांग्रेस वर्किंग कमेटी

कांग्रेस कार्य समिति यानी सीडब्लूसी पार्टी की सबसे बड़ी निर्णायक संस्था है। इसी समिति में पार्टी की शक्तियां निहित हैं। पिछले लगभग 20 वर्ष से सीडब्लूसी के लिए कोई आंतरिक चुनाव नहीं हुए हैं। चुनाव आयोग ने भी पार्टी से आंतरिक चुनाव कराने को कहा था। कांग्रेस के संविधान के मुताबिक इस समिति में पार्टी का अध्यक्ष, संसद में पार्टी का नेता और 23 अन्य सदस्य होते हैं। 11 सदस्यों को पार्टी का अध्यक्ष मनोनीत करता है और बाकी 12 का चुनाव होता है।

खड़गे को पार्टी के अध्यक्ष केरूप में कांग्रेस के प्लेनरी सेशल में ही प्रमाणित किया जाएगा। यह सत्र अगले साल मार्च या अप्रैल में हो सकता है। 12 वर्ष बाद यह सत्र होने की उम्मीद है। इससे पहले 2010 में दिल्ली के बुराड़ी में पार्टी के पूर्ण सत्र का आयोजन हुआ था। इस सत्र के बाद ही खड़गे नई कांग्रेस वर्किंग कमेटी बनाएंगे। सत्र में कांग्रेस नए राजनीतिक और आर्थिक प्रस्तावों को भी मंजूरी दे सकती है।

गुजरात और हिमाचल प्रदेश में चुनाव करीब हैं। ऐसे में सीडब्लूसी को भंग करना और भी अहम हो जाता है। अगले साल ही इसका पुनर्गठन होगा। हालांकि तब तक स्टीयरिंग कमेटी के जरिए फैसले लिए जाएंगे। अगले वर्ष जब सीडब्लूसी बन जाएगी तब यह स्टीयरिंग कमेटी के काम को आगे बढ़ाएगी। खड़गे ने ऐलान कर दिया है कि 50 फीसदी पदाधिकारी 50 वर्ष से कम उम्र के होंगे। ऐसे में 2024 के चुनाव से पहले पार्टी अपनी युवा शक्ति को दिखाने की कोशिश करेगी।

लद्दाख में नए हवाई क्षेत्र का होगा निर्माण

लेह, एजेंसी।

लद्दाख में चीन को मात देने के लिए भारत एक और बड़ा कदम उठाने जा रहा है। दरअसल, हाल ही में कई मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया है कि चीन पूर्वी लद्दाख से सटे इलाकों में भारी बुनियादी ढांचे का निर्माण कर रहा है। अब चीन को काउंटर करने के लिए भारत जल्द ही न्योमा में एक नए हवाई क्षेत्र का निर्माण शुरू करने जा रहा है। न्योमा पूर्वी लद्दाख का बेहद अहम एरिया है।

भारतीय सेना के अधिकारियों ने गुरुवार को कहा कि, भारत जल्द ही एलएसी से 50 किलोमीटर से कम दूरी पर लड़ाकू विमानों के संचालन के लिए अपने न्योमा एडवांस्ड लैंडिंग ग्राउंड के अपग्रेडेशन के लिए निर्माण कार्य शुरू करने जा रहा है। चीन के साथ चल रहे गतिरोध के दौरान न्योमा हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल जवानों और सामग्री के परिवहन के लिए किया गया है। इस हवाई क्षेत्र में चिनूक हेवी-लिफ्ट हेलिकॉप्टर और सी-130जे स्पेशल ऑपरेशंस विमानों को भी उतारा जा चुका है।

वरिष्ठ रक्षा अधिकारियों ने न्यूज़ एजेंसी को बताया, ÷न्योमा एडवांस्ड लैंडिंग ग्राउंड (एएलजी) को जल्द ही लड़ाकू विमान संचालन के लिए अपग्रेड किया जाएगा। अधिकांश आवश्यक मंजूरी और अप्रूवल पहले ही आ चुके हैं। योजना के अनुसार, नए हवाई क्षेत्र और सैन्य बुनियादी ढांचे का निर्माण सीमा सड़क संगठन द्वारा किया जाएगा।÷ एएलजी के अपग्रेडेशन से वायुसेना को बहुत ताकत मिलेगी।

इस क्षेत्र से लड़ाकू विमानों के संचालन की क्षमता से वायु सेना की विरोधियों द्वारा किसी भी दुस्साहस से तेजी से निपटने की क्षमता मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में मोदी सरकार द्वारा मंजूरी मिलने के बाद पूर्वी लद्दाख सेक्टर में निर्माण कार्य का उद्घाटन जल्द ही शुरू होने की उम्मीद है।

भारत पूर्वी लद्दाख में दौलत बेग ओल्डी (डीबीओ), फुकचे और न्योमा सहित कई हवाई क्षेत्रों के विकास पर विचार कर रहा है। यह इलाके चीन के साथ लगती वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) से कुछ ही मिनटों की दूरी पर हैं। न्योमा एडवांस्ड लैंडिंग ग्राउंड (एएलजी) पर पहले ही वायुसेना के एमआई-17 हेलीकॉप्टर, अपाचे अटैक हेलीकॉप्टर, चिनूक हेवी-लिफ्ट हेलीकॉप्टर को उतारा जा चुता है व गरुड़ स्पेशल फोर्स ऑपरेशन का भी यहां संचालन किया गया है।

हाल ही में, भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन अजय राठी ने न्योमा जैसे एडवांस्ड लैंडिंग ग्राउंड के महत्व को समझाया था। राठी ने कहा, ''न्योमा एएलजी का वास्तविक नियंत्रण रेखा के करीब होने के कारण रणनीतिक महत्व है। यह लेह हवाई क्षेत्र और एलएसी के बीच महत्वपूर्ण अंतर को पाटता है। यह पूर्वी लद्दाख में जवानों और सामग्री की त्वरित आवाजाही को सक्षम बनाता है।''

केजरीवाल के सुझाव पर खूब हंसे नीतीश कुमार

पटना, एजेंसी।

भारत की करेंसी पर 'लक्ष्मी गणेश' की तस्वीर लगाने की अरविंद केजरीवाल की मांग के बाद घमासान शुरू हो गया है। वहीं इसे हिंदू वोटबैंक के लिए चलाए गए तीर के रूप में भी देखा जा रहा है। दिवाली के ठीक बाद केजरीवाल ने कहा कि भारत के नोटों पर महात्मा गांधी के साथ लक्ष्मी गणेश की फोटो लगानी चाहिए। इससे गिरती अर्थव्यवस्था को संभालने में मदद मिलेगी।

केजरीवाल के इसी बयान का जिक्र जब बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सामने किया गया तो वह जोर से हंसने लगे। उन्होंने कहा, 'कुछ लोग तो क्या-क्या कहता रहता है।' नीतीश कुमार के अंदाज से यही कहा जा सकता है कि उन्होंने अरविंद केजरीवाल के इस बयान को तवज्जो नहीं दी और हंसी में टाल दिया। बता दें कि नीतीश कुमार 2024 चुनाव के लिए विपक्षी की गोलबंदी करने में लगे हुए हैं। हालांकि अब तक उनके किसी कार्यक्र में अरविंद केजरीवाल दिखाई नहीं दिए हैं। फिलहाल कयास यही लगाए जा रहे हैं कि अरविंद केजरीवाल विपक्ष के मोर्चे में शामिल नहीं होंगे।

अरविंद केजरीवाल ने इंडोनेशिया की करेंसी का उदाहरण देकर कहा था कि वहां मुस्लिमों की बड़ी आबादी है। इसके बावजूद नोटों पर लक्ष्मी गणेश की तस्वीर लगाई जाती है। अगर वहां ऐसा हो सकता है तो भारत में क्यों नहीं।

एनडीए का साथ छोड़ने के बाद से ही नीतीश कुमार गोलबंदी में लगे हुए हैं। इसी क्रम में वह दिल्ली में कई नेताओं से मिलने पहुंचे थे। सितंबर के महीने में उन्होंने अरविंद केजरीवाल से भी मुलाकात की थी। उन दोनों के बीच लंबी बातचीत के बाद भी ऐसा कोई संकेत नहीं मिला था कि 2024 में वह नीतीश के साथ आएंगे। ऐसा लगता है कि अरविंद केजरीवाल एकला चलो की नीति पर ही चलते रहेंगे। वहीं गुजरात में वह भाजपा और कांग्रेस के खिलाफ मोर्चा खोल चुके हैं। पंजाब में उनकी पार्टी ने कांग्रेस को सत्ता से बेदखल कर दिया। वहीं बात करें नीतीश कुमार की तो बिहार में उनकी सरकार में कांग्रेस भी शामिल है।

अवैध संबंधों के संदेह के चलते पति ने ली पत्नी की जान

छतरपुर। मध्य प्रदेश के छतरपुर पुलिस ने 6 अक्टूबर को हुए मथुरा बाई हत्या कांड का खुलासा करते हुए जिसमे बेहद चौंकाने वाली बात सामने आई है। मथुरा बाई का हत्यारा उसका पति मिजाजी यादव ही निकला। जिसे पुलिस ने हिरासत में ले लिया था और आज प्रेस कान्फ्रेस कर इसकी जानकारी दी।

फिल्मी अंदाज में की थी हत्या

छतरपुर एसपी सचिन शर्मा ने बताया कि मिजाजी यादव ने ही अपनी पत्नी मथुरा यादव की हत्या की थी। मिजाजी उसे अपने साथ बाइक में बैठा कर कहीं ले जा रहा था। तभी उसने जंगल में बाइक रोकी और पहले से तय प्लान के अनुसार उसे गोली मार दी जिससे उसकी मौत हो गई।

घटना के बाद आरोपी ने ही गांव के लोगों एक घंटे बाद सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी और जांच दल का गठन कर दिया गया। लंबे समय तक चली जांच के बाद आखिर में मथुरा के पति को ही पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

अवैध संबंधों के चलते की गई हत्या

एसपी सचिन शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि, आरोपी मिजाजी यादव को अपनी पत्नी मथुरा बाई पर किसी दूसरे व्यक्ति से अवैध संबंधों का शक था। जिसके चलते उसने घटना को अंजाम दिया था। साथ ही आरोपी मिजाजी ने अपनी पत्नी के नाम पर एक जेसीबी भी ली थी उसको लेकर भी वह परेशान था।

भोपाल के वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में क्लोरीन गैस का रिसाव

भोपाल।

भोपाल की मदर इंडिया कॉलोनी में बुधवार देर रात एक वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में क्लोरीन गैस का रिसाव हो गया। इसके बाद सांस लेने में तकलीफ की शिकायत के बाद तीन लोगों को अस्पताल ले जाया गया। कई अन्य लोग भी बीमार हो गए और उन्होंने आंखों में जलन और सांस लेने में कठिनाई की शिकायत की। वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में हुए गैस रिसाव के कारण कई लोगों को अपने घरों से बाहर रहना पड़ा।

घटना की सूचना पर भोपाल कलेक्टर व नगर निगम आयुक्त मौके पर पहुंचे। जांच के दौरान नगर निकाय की टीम ने पाया कि इलाके के वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में लगे 900 किलोग्राम के क्लोरीन गैस सिलेंडर का नोजल खराबी के कारण लीक हो रहा था। टीम ने पानी और 5 किलो कास्टिक सोडा डालकर स्थिति पर काबू पाया। क्षेत्र के करीब तीन लोगों को सांस लेने में तकलीफ के चलते हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालांकि वे खतरे से बाहर बताए जा रहे हैं।

भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री विश्वास सारंग और भोपाल की मेयर मालती राय ने हमीदिया अस्पताल पहुंचकर पीड़ितों का हाल-चाल जाना। एहतियात के तौर पर गुरुवार (27 अक्टूबर) को प्रभावित क्षेत्र में पानी की आपूर्ति नहीं की जाएगी। रिसाव को लेकर मंत्री का कहना है कि इसकी बारीकी से समीक्षा कर विस्तृत जांच के निर्देश दिए हैं। जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा उसे बख्शा नहीं जाएगा।

मध्य प्रदेश कांग्रेस प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने पीड़ितों के उचित इलाज और मामले की जांच की मांग की है। उन्होंने ट्वीट कर लिखा, 'मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल की मदर इंडिया कॉलोनी में क्लोरीन गैस टैंक के लिकेज होने से लोगों को आंखों में जलन एवं सांस लेने में तकलीफ व कुछ लोगों के अस्पताल में भर्ती होने की खबर सामने आयी है। इस मामले में सभी पीड़ित लोगों के इलाज की पूर्ण व्यवस्था हो, इस पूरे मामले की जांच हो, सुरक्षा के सभी आवश्यक कदम उठाये जाये।'

फूल-माला की दुकान के लिए लगी करोड़ों की बोली

इंदौर। इंदौर के प्रसिद्ध खजराना गणेश मंदिर परिसर की एक दुकान की बोली सुनकर बड़े-बड़े रियल स्टेट के दिग्गज हैरान हो गए हैं। बता दें कि इस मंदिर की एक 69.50 वर्ग फुट दुकान की 1.72 करोड़ रुपए में बोली लगी है। मंदिर प्रबंधन के एक अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि यह बोली दुकान के 30 साल के पट्टे के लिए लगाई गई है। बता दें कि इस सौदे को देश के कमर्शियल संपत्ति सौदे का सबसे महंगा सौदा बताया जा रहा है।

मंदिर से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि, निविदा प्रक्रिया में भाग लेते हुए एक व्यक्ति ने खजराना मंदिर परिसर की दुकान '1-ए' को 30 साल के लिए पट्टे पर लेने को 1.72 करोड़ रुपए की सबसे ऊंची बोली लगाई है। उन्होंने बताया कि मंदिर की प्रबंधन समिति के स्वामित्व वाली इस दुकान का क्षेत्रफल 69.50 वर्ग फुट है। इसे पट्टे पर लेने के वास्ते प्रति वर्ग फुट के लिए 2.47 लाख रुपए की दर से सबसे ऊंची बोली लगाई गई है।

अधिकारी ने बताया कि, इस दुकान के लिए इंदौर विकास प्राधिकरण (आईडीए) के जरिए निविदा प्रक्रिया को अंजाम दिया गया। मंदिर प्रबंधन समिति की शर्तों के मुताबिक दुकान में फूल, प्रसाद और पूजन सामग्री ही बेची जा सकती है। उन्होंने बताया कि इस दुकान को पट्टे पर देने के लिए न्यूनतम आरक्षित कीमत 30 लाख रुपये रखी गई थी और इसके मुकाबले करीब छह गुना ज्यादा मूल्य की सबसे ऊंची बोली लगाई गई।

गौरतलब है कि, खजराना गणेश मंदिर में हर रोज देशभर से बड़ी तादाद में श्रद्धालु आते हैं और मंदिर परिसर की दुकानों में फूल, प्रसाद और पूजन सामग्री की जमकर बिक्री होती है।

खुले मंच से केंद्रीय मंत्री ने नगर परिषद के सीएमओ को कहा ''बैल''

भोपाल।

अपने बयानों को लेकर अक्सर केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते चर्चाओं में बने रहते है। ऐसे में एक बार फिर मध्य प्रदेश के मण्डला जिले में एक सभा में खुले मंच से मंत्री ने एक और बयान दिया जिसके बाद वो फिर चर्चा का विषय बन गए। बीते दिन नगर परिषद के अध्यक्ष उपाध्यक्ष और पार्षदों का शपथ ग्रहण समारोह था। और कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंचे केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह ने मंच से भाषण शुरू किया।

दरअसल इस दौरान सभा को सम्बोधित करते समय केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते की जुबान फिसल गई। यहां उन्होंने नगर परिषद के सीएमओ को बैल की उपाधी देते हुए कहा कि सावधान रहना साहब। पार्षद तुम्हें बेल की तरह पीछे के दरवाजे से कोंचेंगे। जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है। यह वीडियो मंडला जिले के निवास तहसील का है।

मंत्री कुलस्ते ने कहा कि, अध्यक्ष और उपाध्यक्ष आप लोग कमर कस के तैयार रहना। कोई भी तकलीफ आएगी तो मुझे बताना। इस दौरान मंत्री की जुबान फिसल गई और उन्होंने सीएमओ साहब को कहा कि आपको भी पीछे के दरवाजे से यह बैल की तरह कोचेंगे। तो आप भी तैयार रहना।

इनको सबक लगना चाहिए, कि जनता ने आप को वोट दिया है। उन्होंने आगे कहा कि जनता ने आप को चुना है, इसलिए हमने पूरे क्षेत्र की जनता को बुलाया है। इसी के साथ जो नए निर्वाचित जनप्रतिनिधि हैं उन्हें क्षेत्र की जनता के सामने खड़े होना चाहिए।

बताया जा रहा है कि, कांग्रेस पार्षदों ने शपथ ग्रहण का बहिष्कार कर दिया और कार्यक्रम में नहीं पहुचें थे। इसी दौरान उन्होंने सभा को सम्बोधित करते हुए पहले तो पूछा कि यह 5 पार्षद क्यों नहीं आए जिस पर मंच में बैठे अतिथि ने कहा कि विधायक के फोटो नहीं लगी थी इसलिए पार्षद नहीं आए।

जिसके बाद मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने कहा कि अगर उनको लगता है कि यह जात बिरादरी का काम है, तो यह काम नहीं है। अगर भाजपा का यहां अध्यक्ष बना है तो कांग्रेस का क्या होगा। उन्होंने कहा कि राजनीति करने का मेरा कोई उद्देश्य नहीं है। मैंने सभी 15 के 15 पार्षदों के बारे में अभी कहा है, और जो अभी अभी कार्यक्रम में नहीं आए है, वो पीछे के दरवाजे से आएंगे और अब उधम करेंगे।

हम किसी से नहीं डरने वाले, पुलिस हो या प्रशासन- इमारती देवी

ग्वालियर।

मध्य प्रदेश की पूर्व मंत्री और कट्टर सिंधिया समर्थक इमरती देवी का एक वीडियो वायरल हुआ है जिसमें पूर्व मंत्री इमरती देवी विवादित हुए देते हुए नजर आ रही है। इस वायरल वीडियो में पूर्व मंत्री इमरती देवी अनुसूचित जाति की बैठक में संबोधित करते हुए बोल रही है कि हमें किसी से डरने की जरूरत नहीं है चाहे पुलिस हो या प्रशासन बल्कि यह हम से डरते हैं।इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भूमाफिया हमारे समाज से ना टकराए और चाहे किसी से टकरा लें क्योंकि हमारे समाज का खून खोलता है तो हम किसी से नहीं डरते हैं।

इसके साथ ही इस बैठक में यह नारे लगाए जा रहे हैं कि ÷जो जमीन सरकारी है वह हमारी है÷ मंच से यह कहती हुए नजर आ रही है कि आज पूरे देश भर में कहीं भी चले जाओ आधे गांव हमारे समाज से भरे पड़े हुए हैं जब हमारी इतनी जनसंख्या है तो हमें किसी से डरना है।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कैसे डबरा विधानसभा में अच्छे अच्छों ने मुझे यहां से हटाने की कोशिश की लेकिन इमरती देवी किसी से भी नहीं डालें और ना ही वह डरने वाली है गौरतलब है कि यह वायरल वीडियो डबरा विधानसभा का है और इस वीडियो में पूर्व मंत्री इमरती देवी अपने समाज यानि अनुसूचित जाति की बैठक में हिस्सा लेने के लिए पहुंची थी।

रानोगंज पुल की मरम्मत कहीं विभाग और ठेकेदार को भारी न पड़ जाए...!

माही की गूंज, शाजापुर। अजय राज केवट

करोड़ों की लागत से निर्मित एमपीआरडीसी विभाग का शुजालपुर-सारंगपुर रोड का घटिया निर्माण लोगों की जान का दुश्मन बना है, जिसका ठेका रविंद्र स्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लिया गया था। हाल ही में देखा गया कि रानोगंज ब्रिज की जर्जर अवस्था पर लीपापोती करके शुजालपुर ओर आसपास क्षेत्रीय लोगो की जान के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। विभागीय अधिकारी और ठेकेदार रवि इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी शुजालपुर-सारंगपुर रोड का कार्य कंप्लीट होते घटिया निर्माण के कारण मरम्मत का कार्य रोड बनने के बाद से ही शुरू हुआ था। जो आज तक रोड सिर्फ मरम्मत पर जिंदा है।

गौर करने वाली बात यह है कि, रानोगंज ब्रिज में भी घटिया निर्माण की चपेट से अछूता नहीं। ब्रिज की जर्जर अवस्था के चलते संकेत बोर्ड न लगाने से हुए हादसों में कई लोगों को जान से हाथ धोना पड़ा। बार-बार रानोगंज ब्रिज की मरम्मत करके घटिया निर्माण पर पर्दा डालने की कोशिश की लेकिन सारी कोशिशें नाकाम रही। फिर भी एमपीआरडीसी विभाग द्वारा रवि इंफ्रा स्ट्रक्चर कंपनी पर कोई कार्यवाही नहीं की गई। ना ही इस रोड की सही ढंग से जांच हुई। रोड की फर्जी जांच का परिणाम सामने है। रानोगंज पुल का एक हिस्सा भारीलोड ओर घटिया निर्माण के चलते झूल गया। जानकारी लगते ही विभाग के आला अफसर और ठेकेदार मौके पर पहुंचकर बेरी गेट लगाकर तुरंत एक तरफ का रास्ता बंद कर दिया गया और ब्रिज की लीपापोती कर मरम्मत में जुट गए। यह जन चर्चा का विषय बना हुआ है कि कहीं यह पुल अब गिर ना जाए। क्योंकि ब्रिज के एक हिस्से को पहले ही मरम्मत करके चलाया जा रहा है तो वही अब दूसरा हिस्से की मरम्मत कहीं एमपीआरडीसी विभाग और ठेकेदार को भारी न पड़ जाए । शुजालपुर से सारंगपुर को जोड़ने वाला यह मुख्य मार्ग है। भारी वाहनों का तांता लगा रहता है हजारों लोग दिन-रात इसी से होकर गुजरते हैं। ऐसे में बार-बार रानोगंज पुल की मरम्मत करके लोगों की जान के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। जानकारी यह भी मिली है कि रवि इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी की रखरखाव का कार्यकाल दिनांक 19 अप्रैल 2022 को समाप्त होना था जिसे दिखावे के रूप में बढ़ाकर 19 अक्टूबर 2022 किया गया है। ऐसे में पुल पर लीपापोती करके कंपनी को हरी झंडी दे दी जाएगी इसके एवज में विभाग के कुछ भ्रष्ट अफसर अपना आर्थिक हित साधने में कामयाब हो जाएंगे। कंपनी को मेन्टेन्स से छुटकारा मिलने के बाद यहां रोड एमपीआरडीसी विभाग के हैंडोवर होगा और इस पुल ओर रोड निर्माण मरम्मत का सारा बोझ शासन के खजाने पर पड़ेगा और शासन के खजाने को फिर से करोड़ों रुपए का चुना लगेगा । इस रोड की ठीक तरह से जांच होगी तो सही परिणाम अपने आप सामने आएगा रोड गुणवत्तापूर्ण बनी थी या नही। अधूरा कार्य कर छोड़ कर जो बेरिकेट राहगीरों की सुरक्षा के लिए लगाए गए हैं उन्हीं बेरीगेट्र्स से गिरकर बाइक सवार घायल हो रहे हैं माही की गूंज लगातार घटिया गुणवत्ता है कार्य को जनता के सामने स्पष्ट रूप से दिखाता आया है जिसके बाद भी जिम्मेदार अधिकारियों सिर पर जूं तक नहीं रेंग रही।

डिविजनल मैनेजर मनवानी से जब जानकारी ली गई तो उनका कहना है, रानोगंज ब्रिज के मामले में हमारे विभाग द्वारा एक्सपर्ट से राय ली गई तो उन्होंने इसी तरह से कार्य करने को कहा। जब एक्सपर्ट की रिपोर्ट मांगी तो घुमा फिरा कर जवाब दिया गया और आरटीआई से जवाब मांगने को कहा।

भाई दूज के साथ दीपोत्सव का समापन

माही की गूंज, झाबुआ।

हिंदू धर्म के सबसे बड़े त्यौहार दीपावली का समापन आज भाई दूज के साथ संपन्न हुआ। 2 वर्ष कोरोना महामारी के चलते दीपावली की रंगत कुछ फीकी नजर आ रही थी लेकिन इस वर्ष दीपावली कोरोना के आतंक और सरकारी पाबंदी से मुक्त होने के कारण पूरे उत्साह उमंग व हर्षोल्लास के साथ देशभर में मनाई गई। धनतेरस से प्रारंभ हुआ यह पर्व उत्साह और उमंग लेकर आया बड़े से बड़े और छोटे से छोटे तक का व्यापार चला बाजारों में भीड़ रही और जमकर खरीदारी हुई। इस त्यौहार का वर्ष भर इंतजार करने वाले बच्चों के चेहरे पर भी अलग ही रंगत थी।

पड़वा का त्यौहार 1 दिन बाद मनाया गया। जिसके चलते दीपावली त्यौहार में 1 दिन का ज्यादा समय मिला और व्यापारियों के लिए शुभ रहा। आदिवासी अंचल में ग्रहण के बाद दीपावली मनाई गई। जिससे 25 अक्टूबर को भी बाजारों में दीपावली की रौनक रही 26 अक्टूबर को गोवर्धन पूजा अर्चना की गई और सभी ने एक दूसरे को दीपावली की बधाई दी। माही की गूंज परिवार की ओर से भी सभी स्नेही जनों को दीपावली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं। आने वाला वर्ष आपके जीवन में सुख समृद्धि और वैभवशाली रहे इन्हीं शुभकामनाओं के साथ... शुभ दीपावली।

ग्राम पंचायत की पहल पर साप्ताहिक पशु हाट बाजार हुआ शुरू

माही की गूंज, सारंगी। ग्राम में गुरुवार को साप्ताहिक ढोर का हॉट लगता है, लेकिन गायों में लंपी बीमारी के कारण जिला प्रशासन के आदेश अनुसार पशुओ का साप्ताहिक हाट बंद कर दिया गया था। इस हॉट में गुजरात-राजस्थान आदि कई प्रदेश के लोग डोर खरीदने-बेचने के लिए आते थे। हॉट बंद होने से काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। लोगों की मांग अनुसार सरपंच के आदेश अनुसार उप सरपंच रणजीत सिंह राठौर को झाबुआ भेजा गया। अपर कलेक्टर मुजाल्दा के पास उन्होंने ग्राम पंचायत सारंगी का हॉट चालू कराने का आवेदन दिया। मांग जायज होने पर अपर कलेक्टर ने आवेदन स्वीकार कर गुरुवार को हाट बाजार चालू करने का आदेश दिया। कुछ शर्तों के अनुसार जिसमें, गाय की खरीदी-बिक्री पर प्रतिबंध रहेगा। जब तक लंपी वायरस खत्म नहीं हो जाता भैंस, बकरी, मुर्गा का विक्रय चालू रहेगा।

नशा मुक्ति अभियान के तहत लोगों को जागरूक किया

माही की गूंज, झाबुआ।

ग्राम कसारबड़ी, झकनावदा, पेटलावद एवं सारंगी में उपस्थित 300 से अधिक आमजन को नशे के दुष्प्रभाव के बारे में बताया गया एवं नशे से दूरी बनाये रखने की समझाइश दी गई। बताया गया कि नशे का सेवन करने से आपको व आपके परिवार को अनेक समस्याओं से जूझना पड़ता है।

नशे के प्रति जागरूक करते हुए बताया गया कि नशा मनुष्य के शरीर के साथ मानसिक, आर्थिक व सामाजिक नुकसान पहुंचाता है। शुरूआत में आमजन इसका प्रयोग शौक के कारण करते हैं। लेकिन, बाद में इसकी लत लग जाती है। जागरूकता कार्यक्रम के तहत आमजन उन्हें काफी सहयोग कर रहा है। यदि सब मिलजुल कर इस समस्या के लड़ेंगे तो नशे से मुक्ति मिल सकती है। तनाव व नशे का आपस में गहरा संबंध होता है यदि किसी समस्या के समाधान के लिए लोग नशे का सहारा लेते हैं तो वह गलत है। नशा मुक्ति अभियान के तहत आज दिनांक 27.10.2022 को अवैध शराब के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए कुल 19 प्रकरण बनाए जाकर 165.46 लीटर कुल कीमती 40,035 /- रुपए की अवैध शराब को जप्त किया गया।

वनरक्षक पर लगा रिश्वतखोरी का आरोप

माही की गूंज, शुजालपुर।

वन विभाग का एक और कारनामा सामने आया। जिसमें वनरक्षक जिन्हें जंगल को बचाने और सुरक्षित रखने के लिए जनता के खून पसीने की गाढ़ी कमाई से मोटी तनख्वाह दी जाती है। ताकि जंगलो सवरक्षण कर सुरक्षित रख सके। लेकिन जिन्हें जिम्मा सौंपा वहीं जिम्मेदार अब परिवहन हो रही अवैध लकड़ियों की सौदेबाजी में लिप्त होते नजर आ रहे हैं। हाल ही में हुए एक मामले में एक कृषक ने वन रक्षक पर आरोप लगाया कि, महेंद्र पिता बाबूलाल निवासी बदलपुर जो कि कृषक है। अपनी कृषि भूमि पर लगे सूखे बबूल और सुबवल के पेड़ की जलाऊ लकड़ी उपयोग हेतु कटवाई थी। क्योंकि सूखे गिरे हुए बबूल और सुबवल के पेड़ कृषक को हकाई जुताई मे समस्या उत्पन्न कर रहे थे। जिसे लेकर वह अपने ट्रैक्टर से रिश्तेदार के यहां ले जा रहा था। तभी वन विभाग के अधिकारी पहुंचे और ट्रैक्टर को रुकवा कर पूछताछ करने लगे। पूछताछ के दौरान ट्रैक्टर मालिक ने बताया यह सूखी जलाऊ लकड़ी है इसे उपयोग हेतु ले जा रहा हैं। लेकिन वन विभाग अधिकारी की बदनियति के कारण एक न सुनी और 3 घंटे तक बहस हुई। जिसमें यह भी बताया गया कि, कृषक से 50 हजार रुपये की मांगनी की गई ओर नहीं देने पर ट्रैक्टर को राजसात करने की धमकी दी। जिसके दर से कृषक ने 12 हजार रुपये दे दिए उसके बाद ट्रैक्टर को छोड़ दिया गया। लेकिन असल में अवैध तरीके से परिवहन हो रही लकड़ियों का धंधा किसके संरक्षण में चल रहा है यह समझ से परे है। क्योंकि अधिकारियों से सांठगांठ कर खुलेआम वृक्षों की कटाई करके खुलेआम परिवहन करते देखा जा सकता है। लेकिन वन विभाग के अफसर उस समय कार्यवाही क्यों नहीं करते। ऐसा पीड़ित ने बताया है जिसकी शिकायत पीड़ित द्वारा उच्च अधिकारी को की गई।

शिकायत होने पर एक कर्मचारी अंकित का ट्रांसफर देवास किया गया है। अब मामले में विभाग के व अधिकारी प्रदीप विश्कर्मा को उलझता देख अधिकारी ने तीन माह बाद ट्रैक्टर को कस्टडी में लेने को कहा। इस पर कई सवालिया निशान खड़े हो रहे हैं जांच की जगह कृषक को फिर से उलझाने का प्रयास किया जा रहा है। बात समझ से परे है कि मामले की सही जांच की जगह अधिकारियों का शिकायतकर्ता को ही षड्यंत्र में उलझा कर जांच को दबाने का प्रयास कर सिर्फ घुमाया जा रहा है ना की कोई कार्यवाही। अधिकारियों के इस रवैया से साफ तौर पर समझा जा सकता है कि, यही लोग वनरक्षक की आड में अपने आर्थिक हित साध कर अवैध तरीके से लकड़ियों का परिवहन करवा रहे हैं जो इनके साथ सांठगांठ करके चलता है वह लोग बेधड़क पेड़ों को काटकर बेच रहे हैं। मामला विभाग के अधिकारी और कर्मचारियों के हितों से जुड़ा होने के कारण इन पर कोई कार्यवाही नहीं होती। उच्च अधिकारियों की भी संदिग्ध भूमिका को देखते हुए पीड़ित ने वनरक्षक की शिकायत मुख्यमंत्री की गई। अब क्या विभाग के आला अफसर इन भ्रष्ट अधिकारियों के संरक्षण में चल रहे इस जंगलराज पर सही तरीके से जांच कर कार्यवाही करेगा। यह जंगलों की कटाई इसी तरह होकर अवैध कमाई का जरिया बनेगी।

सिटी थाना प्रभारी प्रेमलता खत्री ने किया गुमसुदा व्यक्ति की हत्या का हुआ खुलासा

माही की गूंज, शुजालपुर।

सिटी थाना पुलिस ने गुमशुदा व्यक्ति की हत्या का अपने अनुसंधान से जल्द खुलासा कर जिले के कप्तान की तरह दबंगाई ओर सूझबूझ से पुलिसया वर्दी पर जनता के विश्वास ओर तारीफों के सितारे गढ़ दिए। लापता व्यक्ति का खुलासा कर दो दिन में गुमसुदा व्यक्ति के शव को ढूंढ निकाला। बताया गया कि, जीतमल पिता रामलाल प्रजापत उम्र 68 साल निवासी शुजालपुर की गुमसुदगी की 21.10.2022 को जानकारी लगते ही शुजालपुर अनुविभाग के सिटी थाना तत्काल गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज की जानकारी लगने पर मामला संदिग्ध दिखा। जिसे लेकर जिले के कप्तान ओर एसडीओपी को सूचित कर टीम गठित की तुरंत खोज बिन में जुट गए। अपने अनुसंधान से पूरे मामले की तहकीकात कर शव को ढूंढ निकाला और अपनी कस्टडी में लेकर अपराधियों को गिरफ्तार भी कर लिया कड़ी पूछताछ से अपराधियों ने जुर्म कबूल कर हत्या की साजिस का पूरी घटना बताइ । राजगढ़ जिले के ग्राम बरनावद के पास जीतमल प्रजापत का शव प्लास्टिक के त्रिपाल में रस्सी से बांधकर खेत पर गाड़ दिया था जिसे देख परिजन और आसपास वालों के होश उड़ गए । 48 घंटे के भीतर मामले का खुलासा कर अपराधियों को गिरफ्तार कर पूछताछ की गई जिसमें उन्होंने बताया कि जीतमल प्रजापति से 180000 उधारी के रूप में लिए थे पैसे ना देने की बदनीयती से जीतमल को मौत के घाट उतारने का षड्यंत्र रचा। साजिश के तौर पर जीतमल को पैसे लेने के बहाने अपने घर इकलेरा में बुलाया। वह जीतमल को अपने खेत पर ले जाकर कुल्हाड़ी से जीतमल की हत्या कर दी और शव को अपने खेत में प्लास्टिक के त्रिपाल में रस्सी से बांधकर गाड़ दिया था। जिसे पास के थाने की मदद से शव को बाहर निकाला और आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।

सामाजिक महासंघ का दीपावली मिलन तथा सामाजिक समरसता वृहद समारोह का आयोजन देव उठनी ग्यारस पर

अंर्तराष्ट्रीय धर्म प्रवक्ता, किन्नर अखाड़ा संस्थापक महामंडलेश्वर श्री लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी, पदम्श्री महेश शर्मा एवं रोटरी मंडल की फयूचर गर्वनर रो. रितू ग्रोवर करेंगी शिरकत

माही की गूंज, झाबुआ।

सामाजिक महासंघ जिला झाबुआ द्वारा शहर में दूसरी बार सकल हिन्दू समाज के एकीकरण एवं सामाजिक समरसता के दृष्टिगत वृहद स्तर पर आगामी 2 नवंबर, बुधवार शाम 6 बजे से देव झूलनी ग्यारस एवं अक्षया नवमी के पावन पर्व पर शहर के लक्ष्मीनगर स्थित अंबा पैलेस पर दीपावली मिलन एवं सामाजिक समरसता महा-समारोह का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें शिरकत करने अंर्तराष्ट्रीय धर्म प्रवक्ता एवं किन्नर अखाड़ा की संस्थापक पपू धर्म रक्षक श्रीश्री 1008 महामंडलेश्वर श्री लक्ष्मीनारायणजी त्रिपाठी के साथ पद्मश्री शिवगंगा प्रमुख महेश शर्मा एवं रोटरी मंडल 3040 की वर्ष 2023-24 की गर्वनर रो. रितू ग्रोवर पधारेंगी। समारोह अनेक आकर्षणों से परिपूर्ण रहेगा। समारोह की आमंत्रण-पत्रिकाओं का विमोचन 27 अक्टूबर, गुरूवार, दोपहर 11 बजे से पैलेस गार्डन पर आयोजित कार्यक्रम में गरिमामय रूप से सामाजिक महासंघ के वरिष्ठजनों, मातृ शक्तियों और युवाओं की उपस्थिति में किया गया।

सामाजिक महासंघ जिलाध्यक्ष नीरजसिंह राठौर एवं जिला महासचिव उमंग सक्सेना ने बताया कि महासंघ द्वारा सर्व हिन्दू समाज को एक जाजम पर लाने के उद्देश्य से इस बार यह समारोह वृहद स्तर पर करने का निर्णय सभी की सर्व-सम्मति से लिया गया है। समारोह में उक्त मुख्य अतिथियों के साथ जिले के हिन्दू एवं आदिवासी संत तथा धर्म रक्षक संतों द्वारा भी पधारकर मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। मुख्य अतिथियों के प्रेरणादायी उद्बोधन एवं आदिवासी समाज की लोक गीत टोली के भजनों और गीतों के बीच पूरा समारोह हिन्दू समाज के एकीकरण और सामाजिक समरसता से परिपूर्ण रहेगा। इस दौरान भगवान श्री रामजी एवं भारत माता की महाआरती की जाएगी। समारोह के बीच में 1 हजार से अधिक निर्धनजनों को शीत ऋतु के दृष्टिगत सामाजिक महासंघ द्वारा पानीपथ से लाई गई शालों एवं दीपावली के उपलक्ष निःशुल्क वस्त्रों का वितरण भी होगा। भगवान को अन्नकूट प्रसादी का भोग लगाने के साथ महाप्रसादी (स्नेह भोज) भी सभी के लिए रखा गया है।

3500 परिवारों तक पहुंच रहा निमंत्रण

सामाजिक महासंघ के वरिष्ठ अजय रामावत, अशोक शर्मा एवं सेवाभावी हरिष शाह लालाभाई ने बताया कि उक्त अनूठे आयोजन के प्रकाशित करवाएं गए सुंदर आमंत्रण-पत्रों का शहर में 3500 से अधिक परिवारों में वितरण का कार्य गुरूवार को आमंत्रण-पत्रिकाओं के ''भारत माता एवं भगवान श्री राम'' के जयघोष के साथ गरिमामय विमोचप तेज गति से आरंभ हो गया है। यह आमंत्रण-पत्र शहर के 3500 परिवारों तक पहुंचेंगे। सकल हिन्दू समाज अर्थात सर्व समाजजनों को यह आमंत्रण-पत्र स-सम्मान प्रदान करते हुए उन्हें स-परिवार पधारने हेतु आग्रह किया जाएगा। समारोह में सामाजिक महासंघ द्वारा चयनित की गई 22 से अधिक निर्धन बस्तीयों के प्रतिनिधियों के साथ 100 से अधिक समस्त सामाजिक संस्थाओं एवं करीब 70 से अधिक समाज प्रमुखों-पदाधिकारियों तक भी यह आमंत्रण-पत्र पहुंचाने का कार्य द्रुत गति से शुरू हो गया है।

पूरा महासंघ तन-मन से जुटा हुआ

सामाजिक महासंघ के मीडिया प्रभारी दौलत गोलानी ने बताया कि शहर के मुख्य बाजारों और तिराहो-चैराहों पर समारोह के होर्डिंग्स लगाए जाने के साथ सभी मंदिरों पर भी बेनर आदि लगाकर सभी हिन्दू धर्मावलंबियों से समारोह में पधारने का भावभरा आमंत्रण दिया जाएगा। समारोह को ऐतिहासिक एवं वृहद बनाने हेतु सामाजिक महासंघ के समस्त पदाधिकारी-सदस्य, वरिष्ठजन, युवा एवं मातृ शक्तियां भी पूरी तन्मयता के साथ जुटी हुई है। साामजिक महासंघ के युवा हार्दिक अरोरा ने बताया कि समस्त आमंत्रण-पत्रिकाओं के सौजन्य अंकुरम इंटरेनशनल स्कूल के संचालक डॉ. लोकेश दवे एवं डॉ. चारूलता दवे है। सामाजिक महासंघ द्वारा उनकी सराहना की गई है।

यह रहे उपस्थित

आमंत्रण-पत्रिकाओं के विमोचन अवसर पर मुख्य रूप से सामाजिक महासंघ के मार्गदर्शक डॉ. केके त्रिवेदी, विनोदकुमार जायसवाल, पं. गणेशप्रसाद उपाध्याय, पीडी रायपुरिया, एमएल फुलपगारे, यशवंत भंडारी, प्रकाशचन्द्र त्रिवेदी, राजकुमार पाटीदार, लालाभाई चैहान, चंदु माली, पंकज जैन मोगरा, कमलेश पटेल, राजेश शाह, नवीन पाठक, हेमेन्द्र नाना राठौर, अजयसिंह पंवार, जगदीश पंवार, योगेश सोनी, सुनिल चैहान, मुकेश बैरागी, पं. विष्णु व्यास, अब्दुल रहीम अब्बू दादा, युवा शुभम राठौर, मातृ शक्तियों में वरिष्ठ श्रीमती कुंता सोनी, सुश्री रूक्मणी वर्मा, भारती सोनी, अनिता जाखड़, शीतल जादौन आदि उपस्थित थी।

कलेक्टर ने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं उचित मूल्य की दुकान का किया निरीक्षण

माही की गूंज, झाबुआ।

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के द्वारा अपने भ्रमण के दौरान प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र खवासा का आकस्मिक निरीक्षण किया । निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य केन्द्र के वार्ड एवं आयुष्मान की स्थिति का जायजा लिया एवं उचित मूल्य की दुकान का भी निरीक्षण किया यहां पर जो अनाज प्राप्त हुआ है और जो वितरण हुआ है शेष स्टाक के लिये नायब तहसीलदार अनिल बघेल को निरीक्षण कर जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। सिंह ने इस दौरान ग्रामीणों से भी व्यवस्था के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

इस दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अनिल भाना, बीएमओ डॉ. अनिल राठौर, तहसीलदार शक्तिसिंह चौहान, प्रभारी पीआरओ सुधीर कुशवाह, नायब तहसीलदार अनिल बघेल, ग्राम पंचायत खवासा के सरपच गंगाबाई खराडी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण, अधिकारी/कर्मचारी विभिन्न विभाग के उपस्थित थे।

वैष्णवजन एवं भक्तजनों ने ग्रहण काल में मंदिर परिसर में बैठकर किए जाप एवं भजन-किर्तन

सूर्य ग्रहण के चलते श्री गोवर्धन प्रभुजी का काले वस्त्रों में हुआ श्रृंगार

आगामी 2 नवंबर को अक्षय नवमी पर गौ-वर्धन पूजा, गाय-गौहरी एवं अन्नकूट महोत्सव का एक ही दिन होगा आयोजन

श्री गौवर्धननाथ मंदिर के पट वैष्णवजन एवं भक्तजनों के लिए मंगलवार को निर्धारित समयावधि पर खुल रहे।

मंदिर परिसर में वैष्णवजन एवं युमना मंडल की महिलाएं यमुनाष्टक का पाठ एवं भजन-किर्तन किया।

माही की गूंज, झाबुआ।

मंगलवार को शहर में भी सूर्यग्रहण का असर दिखाई दिया। सूर्यगहण अवधि में भी शहर के आजाद चौक स्थित श्री गौवर्धननाथजी की हवेली में प्रभुजी के पट खुले रहे। प्रभु का काले वस्त्रों में श्रृंगार किया गया। सूर्यग्रहण समय शाम 4.22 बजे से लेकर 5.47 बजे तक मंदिर परिसर में बैठकर वैष्णवजनों एवं अन्य भक्तजनों ने जाप के साथ भजन-किर्तन किए। मंदिर का शुद्धिकरण भी किया गया।

सूर्य ग्रहण को लेकर पुष्टीमार्गीय परंपरानुसार श्री गौवर्धननाथ मंदिर ट्रस्ट द्वारा लिए गए निर्णय अनुसार मंगलवार को श्री गौवर्धननाथ मंदिर के पट प्रभु दर्शन हेतु भक्तों के लिए खुले रखे गए। मंदिर के मुखिया दिलीप आचार्य ने बताया कि इस वर्ष ग्रहण के कारण पुष्टिमार्गीय सेवा प्रणाली में बदलाव स्वरूप यह निर्णय लिया गया कि ग्रहण काल में श्री गौवर्धननाथ मंदिर सभी भक्तों के दर्शन के लिए खुले रहेंगे। इसी के तहत स्थानीय श्री गौवर्धननाथ मंदिरजी का भी पट भगवान के दर्शन के लिए निर्धारित तय समयों पर खुला रखा गया। भगवान का काले वस्त्रों में श्रृंगार हुआ। अलग-अलग निर्धारित समय में भगवान के पट भक्तों के लिए खोले गए। शाम 4.22 बजे पुनः भगवान का पट खोलते हुए मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में वैष्णव महिला-पुरूषों और भक्तजनों ने भजन-किर्तन के साथ जाप आरंभ किए। मंदिर के सेवक पं. रमेशचन्द्र त्रिवेदी, युवा कान्हा अरोड़ा के साथ अन्य युवाओं ने भजन-किर्तन आरंभ किया। इस दौरान यमुना मंडल की महिलाओं ने सामूहिक रूप से यमुनाष्टक के पाठ किए। मंदिर के सम्मुख बैठे समस्त भक्तजनों ने भगवान के ध्यान में मग्न होते हुए सेवा-आराधना और जयकारा किया। ग्रहण के बीच में मुखिया दिलीप आचार्य ने सभी से अन्न-दान एवं गौ-दान का संकल्प करवाया। ग्रहण के मोक्ष (समापन) के समय आश्रय के पदों का सामूहिक गान किया। तत्पश्चात मंदिर का शुद्धिकरण किया गया।

मंगलवार को श्री चारभुजा नाथ मंदिर के द्वार सुबह से लेकर शाम तक बंद रहे।

2 नवंबर को अक्षया नवमी पर होंगे आयोजन

श्री गौवर्धननाथ मंदिर ट्रस्ट से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस बार 25 अक्टूबर को सूर्यग्रहण के कारण इस दिन गाय-गौहरी पर्व स्थगित किया गया। आगामी 2 नवंबर को अक्षया नवमीं पर मंदिर परिसर में श्री गौ-वर्धन पूजा, गाय गौहरी एवं अन्नकूट महोत्सव का एक ही दिन भव्य स्तर पर आयोजन किया जाएगा। जिसमें प्रातः 10.30 गौ-वर्धन पूजा, शाम 4 बजे से मंदिर प्रांगण में गाय गौहरी पर्व एवं परिक्रमा का आयोजन होगा। बाद 5.30 बजे से प्रभु दर्शन होकर अन्नकूट महोत्सव मनाया जाएगा।

श्री चारभुजानाथ मंदिर के पट रहे बंद

25 अक्टूबर, मंगलवार को सूर्य ग्रहण का सूतक अलसुबह से ही लगने से नेहरू मार्ग स्थित श्री चारभुजानाथ मंदिर के पट सुबह से ही लेकर शाम तक बंद रहे। जिसकी सूचना मंदिर समिति एवं दशा नीमा समाज की ओर से मंदिर के बाहर चस्पा की गई। शाम करीब 7 बजे बाद मंदिर भक्तों के दर्शन के लिए खोला गया। जिसके बाद बड़ी संख्या में भक्तजनों ने आकर मंदिर में भगवान के दर्शन-पूजन का लाभ लिया। मंदिर के सेवक वरिष्ठ पं. विश्वनाथ शुक्ला ने बताया कि 26 अक्टूबर, बुधवार को श्री गौ-वर्धन पूजा का अवसर रहा एवं 27 अक्टूबर, गुरूवार को भाई-दूज पर्व मनाया जाएगा।

दीपक की लो और झिलमिलाती रोशनी से जगमगाया ग्राम

गोवर्धन पूजा के बाद एक-दूसरे को दीपावली पर्व की दी शुभकामनाएं

माही की गूंज, सारंगी। संजय उपाध्याय

दीपावली पर्व ग्यारस से शुरू हुआ, गोवर्धन पूजा की बाद पर्व की एक-दूसरे को बधाई दी। माता लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए हर घर आंगन में रंगोली बनाकर शुभ मुहूर्त में की पूजा की गई। आतिशबाजी दीपावली का पर्व सोमवार को बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। पटाखे की गूंज से आसमान आतिशबाजी के रंगीले नजरों से पड़ गया। हर जगह जगमग रोशनी से ग्राम जगमगाता नजर आया। लोग भी उत्साह के साथ अपने परिवार एवं दोस्तों के साथ दीपावली का पर्व मनाने के लिए आतुर नजर आए। दीपावली के चलते महिलाओं ने घर आंगन में रंगोली भी सजाई, शाम को शुभ मुहूर्त में नए वस्त्र पहन कर विधि विधान से पूजा की गई। आरती के बाद माता लक्ष्मी जी के जय कारे के साथ आतिशबाजी का दौर शुरू हुआ। जहां फुलझड़ी दीपावली को रोशन कर रही थी तो बम के धमाके हर्षिका शंखनाद कर रहे थे। आतिशबाजी का यह क्रम देर रात तक चलता रहा। इस अवसर पर रिश्तेदार, परिवार, दोस्तों ने एक-दूसरे के गले मिलकर दीपावली पर्व की बधाई दी।

गोवर्धन पूजा

घर के आंगन में गोबर से गोवर्धन जी की प्रतिमा बनाकर महिलाओं ने अपने घर की सुख शांति के लिए शुभ मुहूर्त में पूजन किया। वही दिन भर पड़वा पर्व भी बड़ी धूमधाम से मनाया गया। सबसे ज्यादा उत्साह बच्चों में नजर आया। लोगों ने एक-दूसरे के घर पहुंच कर बड़े-बुजुर्गों से आशीर्वाद लिया, वही दीपावली पर्व की शुभकामनाएं दी।

गोवर्धन पूजा प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का महाउत्सव

गोवर्धन पूजा के पावन पर्व पर मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, वृक्षारोपण पर वर्चुअल कॉन्फेन्स का आयोजन

माही की गूंज, झाबुआ।

गोवर्धन पूजन के पावन पर्व पर कुशाभाउ ठाकरे अन्तर्राष्ट्रीय सभाग्रह भोपाल से मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान द्वारा सम्बोधन को लाइव टेलीकास्ट दिखाने हेतु रजनीसिंह कलेक्टर के निर्देशन में जिला स्तर पर एनआईसी कृषि विज्ञान केन्द्र, विकासखण्ड स्तर पर, मण्डी प्रांगण में कार्यक्रम आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्राकृतिक खेती करने वाले पंजीकृत कृषकों एवं प्राकृतिक खेती में रूची रखने वाले अपंजीकृत किसानों की अधिक से अधिक सहभागिता की गई। गोवर्धन पूजा के पावन पर्व पर मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान का उद्बोधन में उन्होने गोवर्धन पूजा प्रकृति की पूजा है इस हेतु किसान बंधुओ को अपने प्रकृति अवतरण दिवस पर पेड़ पौधे लगाने, बिजली बचाने, पानी बचाने, नरवाई न जलाने, लकड़ी की जगह गौ काष्ठ उपयोग करने, जमीन के एक हिस्से में प्राकृतिक खेती करने, सक्षम लोगों को गो पालको को स्वेच्छा से पैसे दान कर गोवर्धन की मदद कर सकते है। गौ पालको द्वारा गाय के गोमूत्र एवं गोबर का बेहतर तरीके से उपयोग करते हुए जीवामृत, बीजामृत, घनजीवामृत इत्यादि कृषक स्वयं घर पर ही तैयार कर अपनी कुल भूमि में से कम से कम एक एकड़ में प्राकृतिक खेती करने को कहा है। जिला एनआईसी में अपर कलेक्टर एसएस मुजाल्दा, दिनेश वर्मा अतिरिक्त मुख्यकार्य पालन अधिकारी जिला पंचायत, उप संचालक कृषि एनएस रावत, भीमसिंह डामोर जिला समन्वयक जन अभियान परिषद और प्राकृतिक खेती, गौ रक्षक, पर्यावरण मित्र, जल संरक्षण करने वाले कृषकों ने सहभागिता की है। कृषि विज्ञान केन्द्र में मुख्यमंत्री का लाइव टेलीकास्ट दिखाया गया। कार्यक्रम में उपस्थित वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. आईएस तोमर, परियोजना संचालक आत्मा गौरीशंकर त्रिवेदी, सहायक संचालक एसएस रावत, सहायक भूमि संरक्षण अधिकारी एलएस चारेल तथा प्राकृतिक खेती करने वाले पंजीकृत एवं अपजीकृत कृषकों की सकीय सहभागिता की गई।

लंपी वायरस की रोकथाम के लिए पशुपालन विभाग व गौ सेवको की हुई संयुक्त बैठक

माही की गूंज, पेटलावद।

पशुपालन एवं डेयरी विभाग पेटलावद में एक महत्वपूर्ण बैठक लंपी वायरस से हो रही बीमारियों एवं उससे निपटने में आ रही कठिनाइयों को हल करने के उद्देश्य से रखी गई। जिसमें क्षेत्र के गौ भक्त, वरिष्ठ पत्रकार, समाजसेवी, गणमान्य नागरिक व गौशाला समिति के सदस्य मौजूद रहे। पशु चिकित्सा विभाग के डॉक्टर दिलीप निनामा ने विभाग के कार्यों के बारे में विस्तार से बताया। लंपी वायरस के रोकथाम के उपाय सुझाव विभाग के द्वारा किए गए वैक्सीनेशन और दवाई वितरण आदि की व्यवस्था बताई।

मौजूद सदस्यों व डॉक्टरों की टीम द्वारा संपूर्ण सहयोग का आश्वासन एक-दूसरे को दिया। वेक्सिनेशन व बीमार गौ वंश इलाज विभाग द्वारा तत्परता से फील्ड में किया जा रहा है। बैठक में गौ सेवा समिति के प्रमुख सदस्य महेंद्र अग्रवाल, मनोज जानी, अंकित सेंचा, संजय पी लोढ़ा, पीयूष मेडतवाल, वीरेंद्र भट्ट, रवि गुर्जर, जितेश विश्वकर्मा, डॉ. रामलाल गणावा, डॉ. सुरेंद्र खराडी, डॉ. मनोहर डावर, जिला अध्यक्ष एवं गो प्रेमी सुखराम कतीजा, धर्मेंद्र सिंह

चुंडावत, मोहन चौहान, पीएल चोयल, प्रकाश भाबर, मोहन राठौर, महेश दया, बसंतीलाल, दिनेश पटेल, आरसी पाटीदार, अजय वर्मा, राजू सोलंकी, दरवेश, वीरेंद्र, बबलू राठौर, पीटू, एवं अन्य गौ सेवक सदस्य मौजूद थे। आभार एवं धन्यवाद संवाद जीवन भट्ट ने गायत्री मंत्र विचार के साथ गौ माता के आत्म शांति के लिए किए।

मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान के संबंध मे शिविर ग्राम पंचायत पाटड़ी और खवासा में हुआ आयोजित

माही की गूंज, झाबुआ।

भारत सरकार और राज्य सरकार की चिन्हित हितग्राहीमूलक योजनाओं से शत-प्रतिशत सैचुरेशन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान का क्रियान्वयन दिनांक 17 सितम्बर 2022 से दिनांक 31 अक्टूबर 2022 तक विशेष अभियान चलाकर भारत सरकार एवं राज्य शासन की चिन्हित हितग्राहीमूलक योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों को प्रदान करने के संबंध में निर्देश जारी किए गए थे।

कलेक्टर रजनी सिंह जनपद पंचायत थांदला के ग्राम पंचायत पाटड़ी और खवासा में आयोजित मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान में उपस्थित थी। सिंह द्वारा ग्रामीणों से रूबरू चर्चा करते हुए कहा कि शासन के द्वारा शासकीय योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ प्राप्त करने के लिए पुरा जिला प्रशासन आपके गाव में आए है। आपको झाबुआ जाकर अब योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए कार्यालय में नहीं भटकना पडेगा। आप इस शिविर में आयुष्मान कार्ड, उज्जवला योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, जमीन का नामांतरण, बटवारा, राशन योजना, लाडली लक्ष्मी योजना ऐसी कई हितग्राही मूलक योजना में लाभ प्राप्त करने के लिए आप इस शिविर मे आवेदन प्रस्तुत करे। यहां पर आपके आवेदनों का शत-प्रतिशत निराकरण पात्रता के आधार पर किया जाएगा। मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान के अंतर्गत विभिन्न विभागों की हितग्राहीमूलक योजना का लाभ जो दिया जाना है।

कलेक्टर सिंह के द्वारा शासकीय योजनाओं में लाभ प्राप्त करने के लिए प्राप्त आवेदन हेतु जो रजिस्टर संधारित तैयार किया गया था अवलोकन किया गया। शिविर में ग्रामीणों से रूबरू चर्चा की एवं नामांतरण, बटवार, आयुष्मान कार्ड बनाये जाने के संबंध मे जानकारी प्राप्त की। शिविर में विभिन्न विभागों के द्वारा अपने विभाग की योजनाओं के स्टाल लगाये थे जिससे हितग्राहियों को योजनाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त हो सके। इस दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व थांदला अनिल भाना, ग्राम पंचायत सरपंच, तहसीलदार शक्ति सिंह चौहान, बीएमओ डॉ. अनिल राठौर, प्रभारी पीआरओ सुधीर सिंह कुशवाह, नायब तहसीलदार अनिल बघेल एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

भारत सरकार और राज्य सरकार के चिन्हित हितग्राहीमूलक योजनाओं में शत प्रतिशत सैचुरेशन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान का क्रियान्वयन किया जाना है। इस अभियान में हितग्राहिमूलक योजनाओं का लाभ हितग्राहियों को प्राप्त हो यह इसका मुख्य उद्देश्य रखा गया है। इसे पूरा करने के लिए 17 सितम्बर 22 से 31 अक्टूबर 2022 तक विशेष अभियान चलाकर भारत सरकार एवं राज्य शासन के चिन्हित हितग्राहीमूलक योजना का लाभ पात्र हितग्राहियों को प्रदान कर इन योजनाओं में शत-प्रतिशत सैचुरेशन लाया जाए ताकि कोई हितग्राही इस लाभ से वंचित न हो। मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान का नेतृत्व जिला कलेक्टर द्वारा किया जाएगा। जिले के प्रभारी मंत्री चर्चा कर मार्गदर्शन प्राप्त करते हुए अभियान की रूपरेखा तैयारी की जाएगी। ग्रामीण क्षेत्र के लिए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एवं शहरी के लिए यथा स्थिति जिला मुख्यालय के लिए आयुक्त, नगरपालिका, अपर कलेक्टर, मुख्य नगरपालिका अधिकारी, मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान के लिए नोडल अधिकारी के रूप में नामांकित किए गए है। मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान से संबंधित सम्पूर्ण कार्यवाही सीएम हेल्पलाईन के पोर्टल से की जानी है। पोर्टल में एक पृथक मोड्यूल तैयार कर अधिकारी एवं नागरिकों के लिए लॉगिन क्रियेट करने की सुविधा दी गई है। शासन की योजना में जो लक्ष्य दिए गए है। उन्हे पहचान कर लाभ दिये जाने की कार्यवाही सुनिश्चित की गई है। प्रत्येक ग्राम पंचायत में शिविरों का आयोजन होगा। जिसके लिए प्रभारी अधिकारी बनाए गए है। शिविर स्थल, शिविर की तिथि, शिविर का समय एवं शिविर में होने वाले कार्यवाही के संबंध में आम जनता को लगातार सोशल मीडिया एवं अन्य विभिन्न माध्यमों से जानकारी देने एवं प्रचार-प्रसार का कार्य किया जाएगा। ताकि अधिक से अधिक सम्भावित हितग्राही शिविर स्तर तक पहुंचे। शिवर में भाग लेने के लिए पोर्टल पर नागरिकों के पंजीयन की व्यवस्था की गई है। इसके लिए पोर्टल पर शिविर के पूर्व अपनी सुविधा अनुसार शिविर रोस्टर से शिविर का चयन कर आवेदन पोर्टल पर दर्ज कर सकते है। प्रथम शिविर में प्राप्त आवेदनों में से सत्यापन पश्चात जिन हितग्राहियों के आवेदनों को तत्काल निराकरण कर उन्हें मौके पर ही लाभ दिया जा सकता है। ऐसे हितग्राहियों को योजना का लाभ दिया जाएगा। शिविर में प्राप्त होने वाले अथवा शिविर के पूर्व पोर्टल पर दर्ज होने वाले नवीन आवेदनों को विचार में लिया जाएगा और उनका भी यथा संभव उसी दिन निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा। द्वितीय शिविर ग्राम पंचायत में उसी स्थान पर एक बार फिर लगया जाएगा। जहां पर प्रथम शिविर आयोजित किया गया था। द्वितीय शिविर के आयोजन के दौरान प्रथम शिविर में हितलाभ देने हेतु प्राप्त पाए गए आवेदकों को नियमानुसार स्वीकृति पत्रध्हितलाभ प्रदान किया जाना सुनिश्चित किया जाएगा। आवेदकों से संबंधित योजना का हितलाभ स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थित में समारोह पूर्वक प्रदान किया जाएगा। प्रभारी मंत्री अपने स्तर पर मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान की नियमित समीक्षा करेंगे। संभागायुक्त संभाग स्तर पर जिला कलेक्टर जिला स्तर पर एवं अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अनुभाग स्तर पर नियमित समीक्षा पर्यवेक्षण एवं अनुश्रवण करेंगे।

दीपावली पर भगवान का हुआ मनमोहक श्रृंगार

माही की गूंज, झाबुआ। शहर के राधा-कृष्ण मार्ग स्थित श्री मेढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार मंदिर में दीपावली एवं नूतन वर्ष पर भगवान श्री सत्यनारायणजी का मनमोहक एवं सुंदर श्रृंगार मंदिर के सेवक वरिष्ठ पं. प्रदीप भट्ट ने किया। दीपावली एवं नूतन वर्ष पर दिनभर मंदिर में भक्तजनों की दर्शन-पूजन के लिए विशेष भीड़ रहीं। मंदिर में आगामी दिनों में महाआरती एवं अन्नकूट महोत्सव (महाप्रसादी) का भी विशेष आयोजन किया जाना है।

संपादकीय

तय की जाए पुलिस-प्रशासन की जिम्मेदारी

देश की शीर्ष अदालत ने आखिरकार सख्त टिप्पणी करते हुए चेता दिया है कि, देश के संविधान में एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र की परिकल्पना की गई है।

नफरत फैलाने वाले बयानों और भाषणों को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। कई राज्यों में सांप्रदायिक तनाव बढ़ाने वाले बयानों के मामले सामने आने के बाद कोर्ट ने संबंधित राज्यों की पुलिस को दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। इस मामले में जरूरी कार्रवाई न होने के बाद कोर्ट ने प्रशासन को चेताया है कि, यदि प्रशासन ऐसे मामलों में सख्ती नहीं दिखाता है तो उसके खिलाफ अवमानना की कार्रवाई होगी। दरअसल, कोर्ट ने दिल्ली, उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड पुलिस को इस बाबत कार्रवाई करने के लिए नोटिस भी भेजे थे। हाल ही में एक सभा में संप्रदाय विशेष के लोगों के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप दिल्ली के भाजपा सांसद पर लगे थे। इसे अल्पसंख्यकों को निशाने पर लेने तथा भयभीत करने वाला बयान बताते हुए इसके बाबत अदालत में याचिका दायर की गई थी, जिसके आलोक में कोर्ट ने हालिया टिप्पणी की थी। इससे पहले कई राज्यों में आयोजित धर्म संसदों में भी जहरीले बोल सामने आए थे, जिसकी देश ही नहीं बल्कि कई अन्य देशों में भी तीखी प्रतिक्रिया हुई थी। इस पर अदालत ने इन राज्यों की पुलिस से दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने को कहा था।

अदालत का कहना था कि, पुलिस प्रशासन ऐसे मामलों में किसी रिपोर्ट लिखवाने का इंतजार करे बिना स्वतः संज्ञान लेते हुए तुरंत कार्रवाई करे। यह कहने की बात नहीं कि, ऐसे भड़काऊ बयानों से सामाजिक समरसता को आंच आती है। समाज में नफरत बढ़ने से टकराव की स्थिति पैदा होती है। विडंबना यह कि, जिन राजनीतिक दलों को इन बयानों से लाभ होता नजर आता है उनकी तरफ से भी ऐसे तत्वों के खिलाफ कोई कार्रवाई होती नजर नहीं आती, जिससे ऐसे नकारात्मक सोच वाले तत्वों के हौसले बुलंद होते हैं। ऐसा भी नहीं है कि, ऐसे बयान बहुसंख्यक समाज के धार्मिक व राजनीतिक नेताओं की तरफ से ही आते हैं। अल्पसंख्यकों के नेतृत्व का दावा करने वाले कुछ राजनेता भी जब-तब भड़काऊ बयान देते हैं जिसके जरिए वे वोटों का अपने पक्ष में ध्रुवीकरण करने का प्रयास करते हैं। सवाल यह है कि, ऐसे बयानवीरों के खिलाफ पुलिस तुरंत कार्रवाई क्यों नहीं करती। जिसकी वजह से छुटभैया नेताओं के हौसले बढ़ते हैं। इतना ही नहीं, पुलिस-प्रशासन की उदासीनता के चलते कुछ न्यूज चैनल भी गाहे-बगाहे उत्तेजक बहस अपने प्राइम टाइम में आयोजित करते दिखते हैं। जिससे संयम खोने वाले नेता ऐसे बयान दे जाते हैं कि पूरे देश में कड़वाहट घुल जाती है। पिछले दिनों एक सत्तारूढ़ दल की एक महिला प्रवक्ता के बयान के बाद भारत पूरी दुनिया में बचाव की मुद्रा में नजर आया और सफाई देने को मजबूर होना पड़ा था। धर्म निरपेक्ष स्वरूप को ठेस पहुंचाने से रोकने वाले तमाम कानूनी प्रावधान होने के बावजूद पुलिस-प्रशासन आखिर कार्रवाई करने में क्यों चूकते हैं? कोर्ट स्पष्ट कर चुकी है कि इसकी जवाबदेही शीर्ष अधिकारियों की बनती है। पिछली रामनवमी पर हुई हिंसा के बाद समय रहते कार्रवाई न होने पर ये घटनाएं कालांतर कई राज्यों में फैल गई थीं। इस मामले में भी शीर्ष अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की बात कही गई थी। निस्संदेह ऐसी घटनाओं से भारत की सहिष्णुता की छवि को आंच आती है। विडंबना यह है कि, आज हम उस दौर में आ गए हैं कि समाज का नेतृत्व करने वाला वर्ग ऐसी घटनाओं के होने पर शांति के लिए रचनात्मक भूमिका का निर्वहन नहीं करता। पहले जिम्मेदार लोग शांति व्यवस्था बनाने के लिये आगे आते थे। इन घटनाओं में वार्ड व सेक्टर स्तर पर बनी शांति समितियां महत्वपूर्ण भूमिका पुलिस प्रशासन के सहयोग से निभाती थीं। निःसंदेह, अधिकारों के साथ ही संविधान ने हमें कुछ कर्तव्यों के निर्वहन का दायित्व भी सौंपा है। ये हमारी जिम्मेदारी भी है कि समाज में अमन का माहौल बने और असामाजिक तत्वों पर लगाम लगे। हम यह न भूलें कि सामाजिक अशांति कालांतर हमारी आर्थिक तरक्की में भी बाधक बनती है।

पढ़े-लिखे केरल में नरबलि और टोना-टोटका

रोंगटे खड़े कर देने वाली दो वीभत्स घटनाओं के कारण अक्टूबर 2022 को याद रखा जाएगा। विश्वास करना कठिन है कि इस जमाने में भी लोग जादू-टोना, टोटका, काला जादू और अंधविश्वास में इस बुरी तरह जकड़े हो सकते हैं। गुजरात के गिर सोमनाथ धावा गांव के भावेश अकबरी को धन और पुत्र प्राप्ति की लालसा में अपनी ही 14 साल की बेटी धैर्या की बलि देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। भावेश ने यह बलि नवरात्र अष्टमी की रात दी थी। अभी स्पष्ट नहीं हो सकता है कि उसने किस तांत्रिक की सलाह पर यह काम किया। दूसरी खबर, देश में सर्वाधिक साक्षरता वाले राज्य केरल से आई है। तिरूवल्ला में आर्थिक रूप से परेशान आयुर्वेद डाक्टर दंपति और एक तांत्रिक को पुलिस ने दो महिलाओं की बलि देने और उनके शव के टुकड़े पका कर खाने के आरोप में गिरफ्तार किया है। एक महिला की हत्या 6 जून और दूसरी की 26 सितम्बर को की गई थी। तांत्रिक ने डाक्टर दंपति से कहा था कि बलि देने से उनके घर में धन-वैभव आने लगेगा और मानव मांस खाने से वे हमेशा जवान रहेंगे। इन दोनों मामलों ने हिला कर रख दिया है। केरल पुलिस राज्य में हाल के वर्षों में लापता हुए अन्य लोगों की फाइलें एक बार फिर से देख रही है। पुलिस जानना चाह रही है कि तांत्रिक मोहम्मद शफी ने और कितनी महिलाओं या पुरूषों को अपने जाल में फंसाया था। पुलिस कमीश्रर सी.एच. नागराजू के अनुसार इस बात की जांच की भी जा रही है कि क्या तांत्रिक मोहम्मद शफी महिलाओं का यौन शोषण करता था। शफी के खिलाफ लगभग आठ आपराधिक मामले पहले से दर्ज बताए गए हैं इनमें से एक मामला 75 साल की एक वृद्धा पर नृशंस तरीके से यौन हमला और उसकी हत्या के प्रयास का है। गिरफ्तार आयुर्वेद डाक्टर भगवाल सिंह एक दशक पहले तक माकपा का कार्यकर्ता रहा है।

एक रिपोर्ट के अनुसार साक्षरता के प्रसार के बावजूद केरल में अंध विश्वास की जड़ें गहराई तक जमी मिल जाती हैं। टोना-टोटका, काला जादू, तंत्र-मंत्र और अंध विश्वास का लोगों पर गहरे प्रभाव को देखते हुए वहां इनके खिलाफ कानून बनाने की जरूरत लंबे समय से महसूस की जा रही है। 2019 में कर्नाटक और महाराष्ट्र की तर्ज पर केरल प्रिवेंशन ऑफ इरेडिकेशन ऑफ इनह्यूमन प्रैक्टिस, टोना-टोटका और काला जादू विधेयक तैयार किया गया लेकिन इस विधानसभा में पेश ही नहीं किया गया। तंत्र-मंत्र और जादू-टोने के खिलाफ सात साल तक के कारावास का प्रावधान विधेयक में रखा गया है। सरकार के सामने मुश्किल यह है कि वह अंध विश्वास की परिभाषा तय नहीं कर पा रही। सरकार चलाने वाले लोगों को आशंका है कि ऐसा कोई कदम धर्म के विरूद्ध ना मान लिया जाए। जाहिर है कि वोट बैंक खिसकने की आशंका कानून बनने की राह में रोड़ा है। केरल में लोगों को आश्चर्य है कि नास्तिक होने और सिर्फ विज्ञान पर भरोसे का डंका पीने वाले कम्युनिस्टों की सरकार क्यों इससे बच रही है। आजादी के बाद से अब तक केरल में नरबलि के पौन दर्जन मामले सामने आ चुके है। इसे मामूली संख्या मानना सही नहीं होगा। इन मामलों में कुछ ऐसे हैं जहां नरबलि जैसा क्रूर कदम उठाने की जो वजह सामने आई वह चौंकाने वाली रही। अभी गत वर्ष एक महिला ने अपने ही बच्चे की बलि चढ़ा दी थी। 1983 में मां-बेटे ने शिक्षक की बलि देने का प्रयास किया था। लगभग 66 साल पहले केरल में बीमार हाथी के लिए अपने जिगरी दोस्त की बलि दे दी थी।

तंत्र-मंत्र, टोना-टोटके , काला जादू और इनसे जुड़े अंधविश्वास की समस्या केरल तक सीमित नहीं है। देशभर से इस तरह के मामले सामने आते रहे हैं। चौंकाने वाली बात है कि सम्पन्न और शिक्षित वर्ग के लोगों तक को अंधविश्वास में उलझा देखा जाता है। लगभग चार दशक पूर्व का एक प्रसंग याद आ रहा है। आदिवासी बहुल मंडला जिले के सुदूरवर्ती गांव में जाने का अवसर मिला था। बहुत ही सीधे-सादे और भोले ग्रामीणों के साथ कुछ समय रहा। एक रात मेरे सम्मान में गैस बत्ती की रोशनी में एक मनोरंजक कार्यक्रम आयोजित किया गया था। वहां एक युंवती टकटकी लगाए मेरी ओर देख रही थी। सम्भवतः एक अन्य दुनिया का आदमी समझ कर उसमें कोई उत्सुकता रही हो। मेरी नजर भी एकाध बार उसपर पड़ी। तभी मेजबान में फुसफुसाकर आगाह किया- टोहनी है वह, उसकी ओर मत देखो। मैं टोहनी का मतलब जानता ही था। कोई जवाब नहीं दिया लेकिन सच यह है कि उस चेतावनी पर बड़ा आश्चर्य हुआ। हमारे यहां ग्रामीण क्षेत्रों में टोना-टोटके, टोहनी जैसे शब्द खूब कहे-सुने जाते हैं। लोग इनसे बचते और डरते हैं। अखबारों में अक्सर इनसे जुड़ी खबरें प्रकाशित होती रहती हैं। याद करें, हाल के वर्षों में विभिन्न राज्यों से आई उन खबरों को जिनमे बताया गया था कि कुछ लोगों ने टोहनी होने के संदेह में किसी महिला का किस हद तक मान-मर्दन किया। कैसे तांत्रिक होने के संदेह में किसी पुरूष की हत्या कर दी गई या उस का गांव/बस्ती में रहना मुश्किल कर दिया गया। इसी वर्ष मनेंद्रगढ़ के एक गांव में टोनही होने के संदेह में एक महिला की हत्या की जा चुकी है। 2021 पत्थलगांव में जादू-टोना करने के संदेह में एक दम्पति की हत्या कर दी गई थी। गत दिवस बालाघाट में झाड़-फूंक के नाम पर की गई पिटाई से महिला की मौत पर दो तांत्रिकों को गिरफ्तार किया गया है। टोहनी होने का आरोप लगाते हुए महिलाओं को नग्न या अर्द्धनग्नावस्था में गांव भर में घुमाये जाने के कितने ही मामले पिछले दो दशकों में प्रकाश में आ चुके हैं। जादू-टोना और अंधविश्वास के उदाहरण विकसित और सम्पन्न देशों से भी सामने आते रहे हैं। विकासशील और गरीब देशों में इनकी संख्या अवश्य कुछ ज्यादा कही जा सकती है। इसकी वजह लोगों के जीवन में समस्याओं के अंबार, चुनौतियों से निबटने के लिए शार्टकट रास्तों की तलाश और बालावस्था से अंधविश्वास भरे माहौल को माना जा सकता है। अंधविश्वास के कुछ नमूने आए दिन देखने को मिलते हैं, जैसे-काली बिल्ली का मकान की छत पर आ बोलना, बिल्ली का रास्ता काट देना, कुत्ते का रोना इत्यादि। इनके अलावा हथेली में खुजली को धन आने का संकेत मानना, नेवला दिखने पर भाग्यशाली होने का भ्रम, निवास के ऊपर कौआ बोले तो मेहमान के आगमन का संकेत कहा जाता है। महानगरों की पॉश कालोनियों तक में कई बार सुबह मार्निंग वॉक पर निकलने पर चौराहों पर नीबू के टुकड़े, सिंदूर और चूड़ियां, सिंदूर लगा काला कपड़ा और काली हांडी रखे या पड़े मिलते हैं। कौन यह सब करता है और मकसद क्या होता है? नया वाहन खरीदने पर उसकी पूजा को अंधविश्वास की श्रेणी में रखा जा सकता है। इससे होता क्या है? पिछले दिनों सोशल मीडिया में एक वीडियो देखा जिसमें एक गैर-हिंदू को नये वाहन की पूजा करते दिखाया गया है। किसी ने कटाक्ष किया, क्या ये लोग माइलेज बढ़ाने के लिए पूजा करवाते हैं? हॉरर कथा लेखक स्टीफन किंग के विचार पढ़ने को मिले। वह कहते हैं, प्रेत्माता, दुष्टात्मा और पिशाच वास्तव में होते हैं लेकिन हमारे अंदर। कई बार वो हमसे जीत जाते हैं। किंग का अभिप्राय स्वयं क ो नकारात्मकता से दूर रखने का है। कहते भी हैं-भय के भूत से बचकर रहना चाहिए। समस्या यह है कि इनसे बचा कैसे जाए? मन को अंधविश्वासों से मुक्त किये बगैर यह संभव कैसे होगा? लगभग ढाई दशक बाद एक महानगर के उस इलाके में जाने का अवसर मिला जो कभी मूल बस्ती से दूर था। सुनसान इलाका उस पर वहां मौजूद कब्रस्तान और श्मशान, लोग रात-बिरात से निकलने से बचते थे। अब नजारा अलग दिखा। दोनों के चारों ओर मकान ही मकान और अट्टालिकायें।

अनिल बिहारी श्रीवास्तव

ईश्वर की भक्ति, उनके प्रति श्रद्धा और आस्था अलग विषय है और अंधविश्वास अलग। आस्था और अंधविश्वास के बीच बहुत बारीक अंतर है। आस्था और श्रद्धा का मतलब विश्वास से होता है। ईश्वर पर विश्वास उस पर आस्था को दर्शाता है। यह सकारात्मकता से जुड़ा विषय है। कहा जाता है कि श्रद्धा/आस्था होने पर साधक सब कुछ कर सकता है। इसी के चलते भक्त रैदास की कठौती में गंगा उमड़ आई थीं। रामकृष्ण परमहंस हाथों मां काली भोग ग्रहण करती थीं। भक्ति, आस्था और श्रद्धा में ना तो भौतिक स्वार्थ होता और ना किसी का अहित करने का भाव। अंधविश्वास इससे विपरीत है। स्वामी विवेकानंद के अनुसार भय सबसे बड़ा अंधविश्वास है। यह शारीरिक और मानसिक दुर्बलता, अनैतिक आचरण तथा अकर्मण्यता से जुड़ा नकारात्मक तत्व है। शिक्षित लोगों को अंध विश्वास में जकड़े देखकर आश्चर्य होता है। शातिर, आपराधिक प्रकृति और ठगी सोच वाले ही अंधविश्वास को फैलाते हैं। केरल की ताजा घटना इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है। सख्त कानून, समाजसेवी संस्थाओं द्वारा जागरूकता अभियान और धर्म गुरूओं से मार्ग दर्शन अंधविश्वास को खत्म करने में सहायक हो सकते हैं।

सुनक के हाथ डूबती नाव की पतवार

करीब आठ दशक पहले जिस ब्रिटेन के राज में कभी सूर्य अस्त नहीं होता था, आज वह देश आर्थिक तंगहाली के दौर से गुजर रहा है। ऐसे में ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था की डूबती नाव का उबारने के लिए एक भारवंशी ऋषि सुनक को पतवार थमाई गई है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री पद की जिम्मेदारी ऋषि सुनक को मिलने पर स्वाभाविक ही भारत में खुशी की लहर है। लेकिन सुनक के सामने चुनौतियों का अंबार है। कोविड के बाद से इस देश की हालत खराब होती जा रही है। डॉलर के मुकाबले पौंड अपने न्यूनतम स्तर पर जा पहुंचा है। ऐसे में सुनक ब्रिटेन की नैय्या को कैसे पार लगा पाएंगे, यह सवाल हर किसी के मन में उठ रहा है। बेशक सुनक के पास कुछ बेहतर उपाय हो सकते हैं, मगर उनके लिए ब्रिटेन को वर्तमान स्थितियों से बाहर निकालना आसान काम नहीं होगा। फिर देश की स्थिति संभालने के साथ-साथ उन पर पार्टी की छवि सुधारने का दारोमदार भी है। अगर उनकी सरकार खर्चों में कटौती का फैसला करती है, तो आम लोगों में विद्रोह फूट सकता है। अभी स्थिति यह है कि लोगों को सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध नहीं हो पा रही हैं, बड़ी संख्या में छोटे कारोबार बंद हो गए और होते जा रहे हैं, पौंड की कीमत चिंताजनक स्तर पर गिर चुकी है, वस्तुओं की कीमतें आसमान छूने लगी हैं, लोगों को चिंता है कि सर्दी में घर गरम करने के लिए वे बिजली का खर्च कैसे जुटाएंगे। मगर व्यापारिक संबंधों को बेहतर बना कर वे इस दलदल से शायद जल्दी बाहर निकल सकें। गौरतलब है कि लिज ट्रस पैंतालीस दिनों में ही वहां की चरमरा चुकी अर्थव्यवस्था को संभालने से हार मान बैठीं। ऐसे में ब्रिटेन की सुनक से काफी उम्मीदें हैं। वहां के सांसदों ने उनमें एक ऐसे दक्ष प्रशासक के गुण देखे हैं, जो एकता और स्थायित्व की दिशा में कारगर साबित हो सकता है। दरअसल, इस वक्त ब्रिटेन अर्थव्यवस्था के मामले में अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रहा है। महंगाई वहां चरम पर पहुंच चुकी है और रूस-यूक्रेन युद्ध की वजह से ऊर्जा मामलों में उसे अपनी जरूरतें पूरी करना मुश्किल साबित हो रहा है। बिजली के दाम आम लोगों की क्षमता से बाहर निकल चुके हैं। ऐसी स्थिति में ब्रिटिश सरकार के पास दो ही आसान रास्ते हैं कि वह करों में बढ़ोतरी और खर्चों में कटौती करे। मगर ये दोनों कदम जोखिम भरे हैं। सुनक वित्तमंत्री रह चुके हैं और उनके पास अर्थव्यवस्था को बेहतर बनाने के कुछ नुस्खे हैं, जिन पर वहां के लोगों को भरोसा है। हालांकि किसी भी नए शासक के पास कोई जादू की छड़ी नहीं होती, जिसे घुमा कर एकदम से खराब अर्थव्यवस्था को सुधार दे।

सनत जैन

भाई बहन के मंदिर मे जहां मनती है भैयादूज

भाई बहन के प्यार का प्रतीक है भैय्या दूज
पवित्र सोच का पर्याय है सम्बंध होते मजबूत
बहन तिलक करें भाई को मांगे रब से खैर
उसका भाई खुशहाल रहे न हो किसी से बैर
भाई भी बहन की खातिर सर्वस्व न्योछावर को आतुर
बहन सदा रहे सुखी दुख हो जाये सब काफूर
आत्म स्वरूप में रहने को तिलक करती है बहना
पांचो विकारो से मुक्ति मिले देवत्व सुख हो गहना।

भाई -बहन के प्यार का प्रतीक भैयादूज के त्योहार पर भाई ,बहन के पास टीका करवाने जाते हैं। भाई दूज के मौके पर बहन अपने भाई की आरती उतार कर उनकी लंबी उम्र की कामना के लिए करती है। यह पर्व 27 अक्टूबर को मनाया जा रहा है। हर साल कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को भाई दूज का पर्व मनाया जाता है।भाई दूज के मौके पर स्नान कर नए वस्त्र पहन कर शुभ मुहूर्त में भाई को तिलक करें। तिलक के लिए आरती की थाली को अच्छे से सजाएं। थाली में दीपक ,रोली अक्षत, पुष्प, मिठाई रखें। भाई को एक छोटी सी चौकी पर बैठने को कहे और आरती की थाल लेकर उनकी आरती करें उसके बाद उन्हें तिलक लगाकर मिठाई खिलाएं।भाई दूज का शुभ मुहूर्त 27 अक्टूबर को दोपहर 12:14 से दोपहर 12:45 तक भाई दूज का शुभ मुहूर्त है ।इस पर्व को भैया दूज, भाई टीका, यम द्वितीया भी कहा जाता है। भाई दूज के दिन भाई को तिलक लगाने का सबसे अधिक महत्व होता है। इस दिन बहन भाई का टीका करती हैं और उनकी लंबी उम्र की कामना करती हैं। ये प्रथा सदियों पुरानी है। कहा जाता है कि इस दिन यदि विधि-विधान से पूजा की जाए, तो जीवन भर यम का भय नहीं सताता और भाई-बहनों की कभी अकाल मृत्यु नहीं होती। भाई दूज के दिन तिलक लगाने से भाई को लंबी उम्र के साथ सुख संपन्नता का आशीर्वाद भी मिलता है। मान्यता है कि इस दिन यम अपनी बहन यमुना के घर भोजन करने गए थे। ऐसे में जो बहने शादी-शुदा हैं उनके भाईयों को अपनी बहन के घर जाना चाहिए। कुंवारी लड़कियां घर पर ही भाई का तिलक करें।भाई दूज के दिन सबसे पहले भगवान गणेश का ध्यान करते हुए पूजा अवश्य करनी चाहिए। वहीं भाई का तिलक करने के लिए पहले थाली तैयार करें उसमें रोली, अक्षत और गोला रखें तत्पश्चात भाई का तिलक करें और गोला भाई को दे दें। फिर प्रेमपूर्वक भाई को मनपसंद का भोजन करवाएं। उसके बाद भाईयों को भी अपनी बहन से आशीर्वाद लेना चाहिए और उन्हें भेंट स्वरूप कुछ उपहार देना चाहिए। भाई दूज के पर्व को बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है। कहा जाता है कि ये पर्व भाइयों और बहनों के बीच के समर्पण का प्रतीक है। भाई दूज बहनें अपने भाई के माथे पर हल्दी और रोली का तिलक लगाती हैं। ऐसी मान्यता है कि यदि भाई बहन यमुना नदी के किनारे बैठकर भोजन करते हैं तो जीवन में समृद्धि आती है। हल्दौर के गांव चूड़ियाखेड़ा के जंगल में भाई-बहन का एक प्राचीन मंदिर आस्था का प्रतीक है। भैयादूज के अवसर पर मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रहती है। भाई-बहन मंदिर में देव रूपी भाई-बहन के सम्मुख माथा टेक कर एक-दूसरे के जीवन की मंगल कामना करते हैं।

बताते है कि, सतयुग में एक भाई अपनी बहन को उसकी ससुराल से पैदल लेकर इस स्थान से होकर अपने घर लौट रहा था, इसी दौरान कुछ डाकुओं ने उसे रोक लिया और बहन के साथ बदसलूकी और अभद्र व्यवहार करना शुरू कर दिया, उन्होंने भाई को पिटाई भी की। इसी दौरान भाई-बहन ने डाकुओं से अपनी रक्षा के लिए ईश्वर से प्रार्थना की और स्वयं को पाषाण बनाने की मांग की। उसी दौरान भाई-बहन पत्थर की प्रतिमा के रूप में परिवर्तित हो गए और डाकू की प्रताड़ना से बच गए। मंदिर में भाई-बहन की पत्थर की प्रतिमा देवी-देवताओं के रूप में आज भी विराजमान है। इस मंदिर की मान्यता है कि जो भाई बहन भैयादूज पर यहां पूजा अर्चना करते है उनकी मनोकामना पूरी होती है। वही बिहार के सीवान में भी भाई बहन का मंदिर आस्था का केंद्र है।भैयादूज की कहानी भी है,सूर्य भगवान की स्त्री का नाम संज्ञादेवी था, इनकी दो संताने पुत्र यमराज तथा कन्या यमुना थी। संज्ञा रानी पति सूर्य की उद्दीप्त किरणों को न सह पाने के कारण उत्तरी धुर्व परदेश की छाया में जाकर रहने लगी। उसी छाया से ताप्ति नही तथा शनिचर का जन्म हुआ। इसी छाया से अश्विनी कुमारों का भी जन्म बतलाया जाता है जो कि देवताओं के वैद्य माने जाते हैं।

इधर छाया का यम तथा यमुना से विमाता सा व्यवहार होने लगा, इससे खिन्न होकर यम ने अपनी एक नई नगरी यमपुरी को बसाया, यमपुरी में पापियों को दंड देने का कार्य संपादित करते भाई को देखकर यमुना जी गो लोक में चली गई जो उस समय कृष्णावतार की भूमि थी।

डॉ.गोपाल नरसन

बहुत समय व्यतीत हो जाने पर एक दिन सहसा यम को अपनी बहिन की याद आई, उन्होंने दूतों को भेजकर यमुना जी को बहुत खोजवाया, मगर मिल न सकी। फिर यमराज स्वयं ही गोलोक गये जहा विश्राम घाट पर यमुना जी से भेट हुई। भाई को देखते ही यमुना ने हर्ष विभोर से स्वागत सत्कार किया और उन्हें भोजन कराया, इससे प्रसन्न हो यमराज ने वर मांगने को कहा।

यमुना ने कहा- हे भैया, मैं आपसे यह वरदान माँगना चाहती हूँ कि इस दिन मेरे जल में स्नान करने वाली नर नारी यमपुरी में न जाए।

प्रश्न बड़ा कठिन था, यम के ऐसे वर से यमपुरी का अस्तित्व ही समाप्त हो जाता। भाई को असमंजस में देखकर यमुना बोली- आप चिंता न करे. मुझे यह वरदान दे कि जो लोग आज यानि भैया दूज के दिन अपनी बहिन के घर जाकर भोजन करके, इस मथुरा नगरी स्थित विश्राम घाट पर स्नान करे, वह तुम्हारे लोक को न जाए।इसे यमराज ने स्वीकार कर लिया। इस दिन भाई, बहन के घर जाकर भोजन करता तो सौभाग्यशाली माना जाता है।

विधायक के गनमैन की पिस्टल-कारतूस चोरी, सीसीटीवी में कैद हुए चोर

पुलिस अब तक नहीं पहुँच पाई चोरों तक

गनमैन लक्ष्मण भूरिया पेटलावद विकास खण्ड का निवासी

माही की गूंज, रतलाम/जावरा।

जावरा में चोरों ने सैलाना विधायक हर्षविजय गेहलोत के गगमैन (आरक्षक) लक्ष्मण भूरिया के क्वार्टर सहित पांच सुरक्षाकर्मियों के क्वार्टरों को निशाना बनाया। गगमैन की 9 एमएम की सर्विस पिस्टल तथा 35 कारतूस (राउंड) भी चुराकर ले गए। रतलाम जिले के सैलाना विधानसभा के विधायक के गनमैन की पिस्टल-कारतूस चुराने वालों का कोई सुराग नही लगा।

चोरों के हौंसले इतने बुलंद है कि वे सूने मकानों, मंदिरों व दुकानों के साथ ही सुरक्षाकर्मियों के क्वार्टरों को भी निशाना बना रहे हैं। चोरों ने सुरक्षा देने वाले सुरक्षाकर्मियों की रतलाम जिले के जावरा नगर में स्थित एसएएफ की 24वीं बटालियन परिसर के सरकारी क्वार्टरों में भी वारदात की। चोरों ने वहां रह रहे सैलाना विधायक हर्षविजय गेहलोत के गगमैन (आरक्षक) लक्ष्मण भूरिया के क्वार्टर सहित पांच सुरक्षाकर्मियों के क्वार्टरों को निशाना बनाया व गगमैन की नाइन एमएम की सर्विस पिस्टल तथा 35 कारतूस (राउंड) भी चुराकर ले गए। पुलिस ने बटालियन के साथ ही आसपास के

सीसीटीवी कैमरे चेक किए। कैमरों में पांच नकाबपोश युवक हाथों में लोहे की राड व पाना लेकर घुमते कैद हुए है। दो दिन बाद भी उनकी पहचान नहीं हो पाई है।

जानकारी अनुसार वारदात 23 व 24 अक्टूबर की दरमियानी रात की है। चोरों ने विधायक के गनमैन लक्ष्मण भूरिया निवासी ग्राम चंद्रगढ़ थाना रायपुरिया जिला झाबुआ हालमुकाम 24वीं बटालियन जावरा के क्वार्टर के साथ ही उनके सामने स्थित आरक्षक चालक दीपक यादव, आरक्षक रफीक मोहम्मद व दूसरी तरफ के ब्लाक में रहने वाले आरक्षक विनोद धाकड़ व आरक्षक मनोज खरे के क्वार्टरों के भी ताले तोड़कर वारदात करने का प्रयास किया, लेकिन वे लक्ष्मण भूरिया के यहां से ही पिस्टल व कारतूस ले गए। दूसरों के क्वार्टरों से कोई सामान चोरी नहीं जाना बताया गया है। चोरी की खबर से पुलिस महकमे व बटालियन में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर बटालियन के कमांडेट अंकित जायसवाल, एसपी अभिषेक तिवारी, जावरा सीएसपी अभिषेक आनंद, जावरा शहर थाना प्रभारी वीडी जोशी आदि मौके पर पहुंचे व जांच कर जानकारी ली।

थाना प्रभारी वीडी जोशी ने बताया कि, सीसीटीवी कैमरे में पांच युवक कैद हुए हैं। चोरों का पता नहीं चल पाया है। अलग-अलग टीमे बनाकर सीसीटीवी कैमरे के आधार पर युवकों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। शीघ्र ही उनका पता लगाकर उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

कूप में नहाने के दौरान डूबने से मासूम मौत, एक अन्य युवक भी डूबा

माही की गूंज, रतलाम।

15 वर्ष का मासूम जो अपने दोस्त के साथ नहाने गया था और कूप में डूबने से उसकी मौत हो गई। दूसरी घटना में 48 वर्ष का एक युवक भी कूप में मृत अवस्था में मिला। डूबने से हुई मौत के बुधवार को दो हादसे सामने आए। भीमाखेड़ी में 15 वर्षीय बालक की खेत के कूप में डूबने से मृत्यु हो गई। बालक अपने एक मित्र के साथ खेत के कूप में नहाने के लिए गया था। उसका साथी तैरने में अच्छा था तो वह बाहर निकल आया लेकिन नीलेश अंदर ही रह गया। बुधवार की सुबह 15 वर्षीय नीलेश पिता अमृतलाल कटारिया और उसका मित्र ईश्वर पिता भेरूलाल (15) बुधवार की सुबह गोवर्धन पूजा के बाद से ही मदनलाल नाहर के खेत पर मस्ती करने के इरादे से कूप में नहाने गए। इसी कूप में कुछ लोग पहले से ही नहा भी रहे थे, लेकिन वे लोग चले गए। मृतक नीलेश तैराकी में बेहतर नहीं था, जबकि साथी ईश्वर तैराकी में बेहतर था।

पहले ईश्वर कूदा कूप में

पहले ईश्वर कूप में कूदा फिर निलेश भी कूद गया। इसके बाद वह वापस बाहर आ गया। नीलेश के डूब जाने से ईश्वर वहां से भाग गया और उसके डूबने की जानकारी अन्य लोगों को दी। इसके बाद सुबह दस बजे से ही रेस्क्यू टीम नीलेश के शव को निकलने में लग गई। गोताखोर बंटी जाट और राजू बैरागी ने अपराह्न करीब तीन बजे नीलेश के शव को बाहर निकाला। शाम पाँच बजे शव को पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंपा।

रणायरा रोड पर कूप में डूबने से युवक की मौत

मावता में रणायरा रोड पर कूप में डूबने से रामप्रसाद पिता मांगीलाल बागरी (48) की मौत हो गई। रामप्रसाद मंगलवार की शाम से लापता था। बुधवार सुबह 11 बजे पुलिस चौकी पर खबर मिली कि रणायरा रोड पर कुएं के पास किसी व्यक्ति के कपड़े पड़े हैं। कूप में शव ढूंढने का प्रयास किया, पुलिस चौकी प्रभारी शरीफ खान ने स्थानीय नागरिकों की मदद से कूप में शव ढूंढने का प्रयास किया। काफी जद्दोजहद के बाद शव निकला जिसकी पहचान रामप्रसाद के रूप में हुई। जावरा के सिविल अस्पताल ले जाकर शव का पोस्टमार्टम करवाया और परिजनों को सौंप दिया। वह कूप में कैसे डूबा और कब डूबा इसके बारे में जांच की जा रही है।

त्यौहार के समय परिवार में छाया मातम

दुर्घटना में पति-पत्नी और बेटे की मौके पर मौत, मासूम गंभीर रूप से घायल

माही की गूंज, रतलाम/जावरा।

दीपावली के अगले दिन मंगलवार शाम करीब सवा चार बजे बाइक पर सवार होकर अपने घर वापस आ रहे एक परिवार को राजस्थान की तरफ से आ रही तेज़ गति कार ने जोरदार टक्कर मार दी। यह दुर्घटना इतनी भीषण थी कि, बाइक सवार पति-पत्नी और बेटे की मौक़े पर ही मौत हो गई जबकि एक बालिका गंभीर रूप से घायल हो गई। औद्योगिक क्षेत्र पुलिस थाना जावरा के अनुसार मृतक परिवार रिंगनोद थाने के गांव मोरिया का रहने वाला था। पुलिस ने तीनों शवों को जिला अस्पताल पहुंचाया। मृतकों में केसुराम पिता मन्नालाल (32), पत्नी नर्मदाबाई पति केशुराम (28) और 12 वर्ष का बेटा प्रवीण पिता केशुराम है, इनके साथ 14 वर्ष की बेटी शिवानी भी थी। ये चारों ही उज्जैन तरफ से एक बाइक पर जावरा तरफ आ रहे थे कि जावरा-ताल रोड पर स्थित लालाखेड़ा फंटा के समीप जोधपुर से इंदौर की तरफ जा रही कार क्रमांक आरजे 30 सीए 1384 के चालक ने इनकी बाइक को चपेट में लेकर रोंद दिया। जावरा औद्योगिक क्षेत्र पुलिस को दुर्घटना की सूचना मिली तो मौके पर पहुंचे और सभी को जिला अस्पताल पहुंचाया। यहां केशुराम, पत्नी नर्मदाबाई और बेटे प्रवीण को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया, जबकि बेटी शिवानी गंभीर घायल है, जिसे जावरा से रतलाम रैफर किया गया है। यहां उसका इलाज चल रहा है और वह जिंदगी की जंग लड़ रही है। पुलिस ने बताया कि, कार चालक भीलवाड़ा निवासी है जिसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

लापता युवक का मिला शव, हत्या या आत्महत्या...?

माही की गूंज, मंदसौर।

जिले के नाहरगढ़ थाना अंतर्गत गांव कचनारा नईआबादी के निकट खाई में बुधवार को एक शव मिला। कई दिनों से लापता युवक का शव मिला है। प्रारंभिक जांच में ही मृतक का शव तीन से चार दिन पुराना होना सामने आया है। मृतक के घर के करीब 700 मीटर दूरी पर ही खाई में शव मिला है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है। पुलिस के मुताबिक शव तीन चार दिन पुराना है और सड़ चुका है।

नाहरगढ़ थाना प्रभारी गिरीश जेजुलकर ने बताया कि, थाना क्षेत्र के कचनारा नई आबादी में खाई में एक शव मिलने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचकर शव कब्जे में लिया। मृतक की शिनाख्त गांव के ही बाबूलाल (45) पिता मोहन खारोल के रूप में हुई है। मृतक पिछले तीन चार दिनों से लापता था। परिजन इसकी तलाश कर रहे थे। जबकि लाश मृतक के घर से महज 700 मीटर दूर खाई में मिली।

दिव्यांग था मृतक

पुलिस के अनुसार मृतक दिव्यांग था और रोजना अपने नई आबादी स्थित मकान से कचनारा चौपाटी जाता था। लापता होने के आखरी वक्त भी मृतक घर से चौपाटी के लिए निकाला था। इसके बाद वापास नहीं लौटा। पुलिस ने शव का पेनल पोस्टमार्टम करवाया है। मृतक की मौत कैसे हुई पुलिस इसकी जांच कर रही है।

दीपावली के साथ शहर सहित जिले के मौसम में बदलाव हुआ शुरू

माही की गूंज, मंदसौर।

शहर में ठंड के मौसम में दस्तक दे दी है। 3 दिन में न्यूनतम तापमान में 4.2 डिग्री की गिरावट दर्ज हुई। मौसम वैज्ञानिक के अनुसार साइक्लोन के स्थान परिवर्तन के चलते मंदसौर व आसपास के क्षेत्र में उत्तरी हवाओं का रुख तेज हो गया। इससे ठंडक का अहसास बढ़ने लगा है। एक-दो दिन में रात का तापमान डाउन होगा, उसके बाद दोपहर में भी गिरावट दर्ज होने लगेगी। बुधवार को शहर में न्यूनतम तापमान 14.1 डिग्री दर्ज हुआ। हालांकि अधिकतम तापमान अभी भी 31 डिग्री के आसपास है।

मौसम वैज्ञानिक डॉ. वेदप्रकाश सिंह ने बताया कि, उत्तरी हवाओं के चलते मौमस में बदलाव शुरू हो गया है। इसे ठंड की दस्तक कह सकते हैं। अभी एक-दो दिन ओर रात का तापमान गिरेगा, उसके बाद नवंबर प्रथम सप्ताह में दोपहर में भी ठंड का असर दिखने लगेगा। दोपहर की धूप अच्छी लगने लगेगी। वर्तमान में बंगाल की खाड़ी के पश्चिमी क्षेत्र में बना साइक्लोन बांग्लादेश की तरफ मूव कर गया है। इससे दक्षिणी-पश्चिमी हवाओं का रुख अब उत्तरी हो गया है। इससे कश्मीर की तरफ से ठंडी हवाएं आने लगी हैं। एक से डेढ़ सप्ताह में जम्मू-कश्मीर की तरफ बर्फबारी शुरू होगी तो ठंड का असर तेज होगा। इसके बाद दोपहर में भी गर्म कपड़ों की जरूरत लगने लगेगी।

प्रसिद्ध धार्मिक स्थल श्री मनुनिया महादेव मंदिर पर हुई चोरी की घटना का हुआ खुलासा

एक आरोपी के साथ चांदी खरीदने वाला सुनार भी गिरफ्तार, शेष आरोपियों की तलाश जारी

माही की गूंज, रतलाम/ताल

जिले के पुलिस थाना ताल के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल श्री मनुनिया महादेव मंदिर पर आज से करीबन एक माह से अधिक समय पुर्व तीन अज्ञात नकाबपोश बदमाशों ने पुलिस को खुली चुनौति देते हुए मंदिर परिसर मे घुस कर मंदिर से मंदिर के गर्भगृह से चांदी की जलाधारी तोड कर चांदी का नाग, चांदी के छत्र आदि वजनी कुल करीबन 8 किलो एवं कीमत 3 लाख रूपये की चोरी की घटना कर भाग गए थे। जिस पर पुलिस ने फरीयादी की रिपोर्ट पर पुलिस थाना ताल पर अपराध क्रमांक 451/2022 का अज्ञात बदमाशो के खिलाफ धारा 457, 380 भादवी का प्रकरण दर्ज कर मामले मे विवेचना शुरू की गई।

एसपी ने किया घटना स्थल का दौरा

घटना की जानकारी मिलते ही तत्तकाल पुलिस अधिक्षक अभिषेक तिवारी आदि ने घटना स्थल मनुनिया पहुंचकर श्री मनुनिया महादेव मंदिर का सुक्ष्मता से निरीक्षण किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए आमश्रद्धालुओं की आस्था से जुडा हुआ मामला होने से तत्तकाल आप श्री तिवारी ने अलग-अलग कुल 15 पुलिस टीमों का गठन करते हुए तीन अज्ञात नकाबपोश जो सीसीटीवी केमरे मे नजर आये, उनकी तलाशी हेतु दल गठीत करते हुए अपने मुखबीर तंत्र को मजबुत कर श्री तिवारी ने 10 हजार रूपये का ईनाम की घोषणा की। वही मंदिर समिति द्वारा 51 हजार रूपये की घोषणा की गई गई। पुलिस ने निरंतर सीसीटीवी कैमरे की फुटेज वायरल करते हुए सोशल मीडिया का भी उपयोग किया।

एक कटी हुई उंगली वाला आरोपी

सीसीटीवी को बारीकी से देखने पर पुलिस को तीन अज्ञात नकाब पोशो मे से एक कटी हुई उंगली का आरोपी दिखा, जिससे भी पुलिस को काफी हद तक सफलता मिली। सीसीटीवी कैमरे मे कैद अज्ञात आरोपी मे से एक आरोपी का चेहरा कुछ हद तक दिखाई पडने पर उसके फोटो को वायरल करने पर कुछ अज्ञात लोगो ने उसमे एडीटींग करना शुरू की तो पुलिस को आगे आकर बयान जारी करना पडा कि, मनमर्जी से फोटो के साथ एडीटींग न करें।

पुलिस अधिक्षक तिवारी ने घटना का खुलासा किया जिसमे बताया गया कि, पुलिस ने करीबन 2 हजार लोगो से उक्त गंभीर मामले मे पुछताछ की, जिसमे तब कहीं जाकर सभी के सहयोग से

आरोपीयों तक पुलिस पहुंच पाई।दिनांक 18 व 19 सिंतबर माह 2022 की दरमियानी रात मे ग्राम मनुनिया स्थित श्री मनुनिया महादेव मंदिर से तीन अज्ञात नकाबपोश बदमाशों द्वारा मंदिर के गर्भगृह में चोरी की घटना को अंजाम दिया गया।

घटना का पर्दाफाश

पुलिस टीम द्वारा लगातार आरोपियो की तलाश के दौरान निम्बाहेडा मे सीसीटीवी फुटेज दिखाकर लोगो से चर्चा की गई एवं मामुर मुखबीर किये गये। मुखबीरो से जानकारी मिली कि, सीसीटीवी फुटेज मे दिख रहे व्यक्तियों मे दो व्यक्ति घनश्याम नायक व पुरण नायक निवासी निम्बाहेडा के है। जिनके पुर्व मे निम्बाहेडा मे मंदिर चोरी के अपराधो मे बंद होने की जानकारी प्राप्त हुई। जिस पर थाना निम्बाहेडा कोतवाली से जानकारी प्राप्त की जाकर लगातार संदेही घनश्याम व पुरण नायक की तलाश की गई। मुखबीर की सूचना पर 25 अक्टुबर 2022 को आरोपी घनश्याम पिता उदयलाल नायक (27) निवासी अम्बेमाता मंदिर के पास सेमलिया रोड निम्बाहेडा राजस्थान को गिरफ्तार किया गया। जो उक्त आरोपी के बाये हाथ की अनामिका उंगली कटी होने की पुष्टि हुई। जिस पर आरोपी घनश्याम के घटना के सम्बंध मे पुछताछ करते दिनांक 18 सिंतबर 2022 को अपने भाई पुरण नायक व रिश्तेदारी मे काका मिट्ठु नायक तीनो मोटर सायकल से निम्बाहेडा से मनुनिया आना व रात्री मे मनुनिया महादेव मंदिर के गर्भगृह का ताला तोडकर चांदी के छत्र चांदी का नाग व चांदी की जलाधारी की जाली तोडकर चोरी करना स्वीकार किया। चोरी की गई चांदी मे से तीनो के द्वारा ढाई किलो करीब चांदी निकालकर घनश्याम नायक ने अपने घर पर रखना व बाकि बची हुई चांदी को रायपुर राजस्थान के गिरिराज सोनी के यहाँ जाकर गलवाकर बट्टिया बनवाना बताया। बट्टियो मे से एक 500 ग्राम की चांदी की बट्टी गिरिराज सोनी को बेचना बताया गया। जिस पर आरोपी घनश्याम नायक के घर से मंदिर से चोरी की गई चांदी व गलाकर बनाई गयी चांदी की बट्टिया वजनी 7 किलो 100 ग्राम को बरामद किया गया। घटना मे प्रयुक्त मोटर सायकल व घटना मे उपयोग की गई लोहे की राड व पेचकस को जप्त किया गया। जिसके बाद रायपुर राजस्थान से आरोपी गिरिराज पिता भेरुलाल सोनी (46) निवासी कबीर द्वारा के पास रायपुर जिला भीलवाडा राजस्थान को गिरफ्तार किया जाकर आरोपी गिरिराज सोनी के कब्जे से गलाकर बनाई गयी चांदी की आधा किलो की बट्टी को बरामद किया गया। आरोपियों से अन्य अपराधों के सम्बंध मे पूछताछ की जा रही है।

दो आरोपी गिरफ्तार, माल भी बरामद

उक्त वारदात में आरोपी घनश्याम पिता उदयलाल नायक (27) निवासी अम्बेमाता मंदिर के पास सेमलिया रोड निम्बाहेडा राजस्थान और गिरिराज पिता भेरुलाल सोनी (46) निवासी कबीर द्वारा के पास रायपुर जिला भीलवाडा राजस्था, चांदी खरीदने वाले को गिरफ्तार किया गया। इनसे 7 किलो 100 ग्राम किलो चांदी किमती 3 लाख पचास हजार रुपये, एचएफ डिलक्स मोटर सायकल क्रमांक आरजे 09 आरएस 2768 किमती 60 हजार रुपये, एक लोहे की राड, पेचकस आरोपी घनश्याम नायक से बरामद से 500 ग्राम चांदी किमती 25 हजार रुपये, आरोपी गिरिराज सोनी से बरामद की गई है। पुलिस ने बताया वारदात में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

गौवर्धन पूजा को मनाया पर्यावरण संरक्षण एवं प्राकृतिक खेती के रूप में

रामचंद्र पाटीदार प्राकृतिक खेती को दे रहे है बढ़ावा

माही की गूंज, खरगोन।

प्रदेश में बुधवार को गौवर्धन पूजा को पर्यावरण संरक्षण एवं प्राकृतिक खेती के रूप में मनाया गया। बुधवार को भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे हॉल में पर्यावरण संरक्षण एवं प्राकृतिक खेती विषय पर कार्यशाला आयोजित हुई। इस कार्यशाला को वर्चुअली रूप में कलेक्टर वीसी कक्ष व जनपद स्तर पर भी इन कार्यक्रम को जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्थाओं तथा सामाजिक संस्थाओं के सदस्यों ने भी सहभागिता की।

प्राकृतिक तौर तरीके से लौटी रामचंद्र की भूमि की उर्वरा शक्ति

खरगोन जनपद में रजूर गांव के रामचंद्र पाटीदार अपनी भूमि की 10 वर्ष पूर्व उर्वरा शक्ति क्षीण हो जाने के बाद निराश हो चुका था। मगर अपनी साहस, सोच और मिट्टी में जीवांश के प्रबंधन से भूमि की उर्वरा शक्ति पुनः प्राप्त कर ली है। आज रामचंद्र पाटीदार अमरूद की खेती से लाखों की उपज कर अलावा अदरक की खेती भी कर रहा है। ये सब उसके लिए इतना आसान नही था।

खेती से सिर्फ उपज ही ले जाते है घर

रामचंद्र ने बताया कि, खेती से वे सिर्फ अनाज या फल सब्जी ही ले जाते है। बाकी फसल से निकला अन्य भाग भूमि में ही छोड़ देते है। इसके अलावा खेत में से निकले खरपतवार को उखाड़ कर उसकी बेड बनाकर खेती में जीवांश या उर्वरा शक्ति लौटाने पर हमेशा विचार करते है। साथ ही वे रासायनिक खाद और कीटनाशकों का उपयोग बिल्कुल छोड़ चुके है।

मिट्टी में जीवांश की उपलब्धता के लिए ये करते है काम

रामचंद्र पाटीदार मिट्टी में जीवांश की उपलब्धता के लिए वो न सिर्फ वेस्टडिकम्पोजर, गोकृपा अमृतं, जीवामृत, बीजामृत बल्कि इन सब से अलग खेत से सिर्फ अनाज या फल ले जाने का काम करता है। बाकी फसलो का आच्छादन पूरा भूमि/ खेत मे ही छोड़ देता है। इसका परिणाम ये हुआ कि कंकरीली मिट्टी में भी बाग सजा पाए रहा है।

दिविता को घर में मिल रहे है गौवर्धन पूजा के संस्कार

जिले में घर-घर गौवर्धन पूजा की जा रही है। हमारे जीवन में गौवर्धन पूजा का महत्व पर्यावरण संरक्षण एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना है। प्राकृतिक खेती देश की प्राचीन कृषि की एक कला है। खरगोन शहर में भी गौवर्धन की बढ़चढ़ कर पूजा की जाती है। शहर के सौमित्र नगर में बेबी दिविता सोनी अपने घर पर गौवर्धन पूजा का संस्कार लेते हुए। कितना अद्भुत प्रतीत हो रहा है।

मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान में पात्र हितग्राहियों को किया जाए लाभान्वित - कलेक्टर

माही की गूंज, बड़वानी।

मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता वाला अभियान है, क्योंकि इस अभियान में केंद्र एवं राज्य सरकार की 38 हितग्राहीमूलक योजनाओं से हितग्राहियों को लाभान्वित किया जा रहा है। मुझे इस बात की खुशी है कि, उक्त अभियान में बड़वानी जिला अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देते हुए प्रदेश के टॉप जिलों में शामिल है। इसके लिए सभी अधिकारी-कर्मचारी बधाई के पात्र हैं। साथ ही इस अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिविर प्रभारी एवं उनके टीम के सदस्य, मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान में सम्मिलित योजनाओं के विभागीय अधिकारी कर्मचारी को मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के 1 से 7 नवंबर तक आयोजित होने वाले कार्यक्रम के दौरान सम्मानित भी किया जाएगा।

कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा ने उक्त बातें बुधवार की देर शाम को कलेक्टर कार्यालय बड़वानी में बैठक लेकर समीक्षा करते हुए उपस्थित अधिकारियों एवं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े खंड स्तरीय अधिकारियों-कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहीं।

इस दौरान उन्होंने निर्देशित किया कि, बड़वानी जिले में 17 सितंबर से प्रारंभ हुए इस अभियान के तहत अभी तक 2 लाख 76 हजार 618 आवेदन लिए जा चुके हैं, जिनमें से 2 लाख 14 हजार601 आवेदन स्वीकृत किए जा चुके हैं। ऐसे आवेदन जिनमें स्वीकृति शेष है उनका भी संबंधित विभाग के अधिकारी अभियान की समाप्ति तक निराकरण कर स्वीकृति प्रदान करें। साथ ही ऐसी ग्राम पंचायतें जहां पर अधिक संख्या में आवेदन निरस्त हुए हैं, उन पंचायतों के शिविर प्रभारी एक बार पुनः आवेदनों को चेक करे। जिससे कोई भी पात्र व्यक्ति योजनाओं का लाभ लेने से ना छूटे।

इस दौरान कलेक्टर ने विकासखण्डवार एवं योजनावार मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान की समीक्षा करते हुए शिविर प्रभारियों को निर्देशित किया कि आवेदनों को आनलाईन अपलोड करे, जिससे संबंधित विभाग द्वारा स्वीकृति की कार्यवाही की जा सके।

बैठक के दौरान कलेक्टर श्री वर्मा, जिला पंचायत सीईओ अनिल कुमार डामोर, अपर कलेक्टर श्रीमती रेखा राठौड़, एसडीम पानसेमल, प्रियांशु जावला सहित तहसीलदार एवं विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री सुक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजनांतर्गत आवेदन आमंत्रित

माही की गूंज, बड़वानी।

जिले हेतु प्रधानमंत्री सुक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के तहत '' एक जिला एक उत्पाद '' आधारित अदरक एवं अन्य खाद्य प्रसंस्करण इकाई जैसे फल उत्पाद केला चिप्स यूनिट, आम का अचार, आमचूर, ज्यूस, अमरूद जैली, जैम, आंवला कैंडी, चूर्ण, सूपारी, मुरब्बा, निंबू अचार, मार्मलैड, स्क्वास इत्यादि पैकिंग उत्पाद। सब्जी उत्पाद - टमाटर कैचप, चटनी, सॉस, ड्राय टोमेटो, पाउडर, मिर्च अचार, ड्राय चिली पाउडर, करेला ज्यूस, आलू चिप्स, प्याज प्रोसेसिंग इकाई, मसाला उत्पाद- धनियां पाउडर, हल्दी-अदरक पाउडर, दाल मील, चावल मील, आटा मील, पलवराइज मील आदि।

अन्य उत्पाद-पापड़, नमकीन, विभिन्न प्रकार के आचार, कुरकुरे, ब्रेड, टोस्ट, बड़ी, गुड़, आईल मील, पशु, पोल्ट्री आहार, पनीर उद्योग एवं समस्त कृषि से संबंधित फसल उत्पादों की प्रोसेसिंग की यूनिट लगाने हेतू उद्यानिकी विभाग में आवेदन आर्मंत्रित किए गए हैं।

उप संचालक उद्यानिकी श्री अजय चैहान से प्राप्त जानकारी अनुसार प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग वेबसाइट पर निःशुल्क आवेदन कर सकते है। योजना अंतर्गत यूनिट स्थापित करने पर योजना लागत का 35 प्रतिशत अनुदान अधिकतम 10 लाख रूपये तक क्रेडिट लिंक सब्सिडी दी जावेगी। अधिक जानकारी के लिए कार्यालय उप संचालक उद्यान बड़वानी से संपर्क कर सकते है।

पशुपालन मंत्री ने किया बावनगजा में बनने वाली गौशाला का भूमिपूजन

माही की गूंज, बड़वानी।

गोमाता हम सबकी माता है, और हमें इसकी रक्षा करनी चाहिये। गाय जब तक दुधारू होती है तब तक तो पशुपालक उसे पालते है, लेकिन जब वह दूध देना बंद कर देती है तो उसे खुले में छोड़ देते है या कटने के लिये भेज देते है। हमें गौमाता को कटने से बचाना है तथा गौमाता इधर-उधर न घूमे । इसलिये बावनगजा सिद्ध क्षेत्र में गोशाला का निर्माण किया जा रहा है।

प्रदेश के पशुपालन मंत्री श्री प्रेमसिंह पटेल ने गुरूवार को बावनगजा में जन सहयोग से बनने वाली गौशाला का भूमिपूजन करते हुये उक्त बाते कही।

इस दौरान कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि, किसी भी कार्य को सच्चे मन से किया जाये तो वह जरूर पूर्ण होता है और गौमाता की रक्षा के लिये बनने वाली यह गौशाला जरूर ही अपनी सार्थकता सिद्ध करेगी। जो पशुपालक अपनी गाय को पालना नहीं चाहते वे अपनी गायो को इधर-उधर न छोड़े,बल्कि उन्हें अपने ग्राम या शहर की नजदीकी किसी भी गौशाला में छोड़ दे।

भूमि पूजन कार्यक्रम में उपस्थित जैन मुनि श्री संधान सागर जी ने कहा की इस गांव और गांव वासियों का सौभाग्य है की गौमाता के लिए गौशाला का निर्माण होने जा रहा है, जिसके माध्यम से आप राष्ट्र का निर्माण में सहयोग करेंगे और गौ माता की रक्षा कर सकेंगे।

मुनि श्री दुर्लभ सागर जी ने कहा की अपनी चिंता तो सब करते है पर अन्य की चिंता कोई नही करता, जो जीव को अाैर आवारा पशुओं को बचाने की अपेक्षा से यह गौशाला बन रही है, जीव मात्र को बचाने का संकल्प लोगे तो इस गांव और क्षेत्र का बहुत विकास होगा। ब्रह्मचारी अंकुर भैया ने मांगलिक क्रिया करवा के आचार्य श्री विद्यासागर जी के चित्र पर दीपक प्रज्वलित, चित्र अनावरण कर भूमि पूजन करवाया।

इस अवसर पर प्रदेश के पशुपालन मंत्री प्रेमसिंह पटेल, कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष बलवंतसिंह पटेल, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी एसके जैन, वन विभाग के एसडीओ केएस मुवेल, ट्रस्ट के कार्याध्यक्ष शेखर पाटनी, विनोद दोशी, ग्राम के सरपंच दीपक भावरे, चातुर्मास समिति संयोजक, उपाध्यक्ष जितेंद्र गोधा, धर्मेंद्र जैन ट्रस्टी, मनीष जैन मीडिया प्रभारी, प्रदीप कासलीवाल दयोदय गौशाला के ट्रस्टी ,ट्रस्ट प्रबंधक इंद्रजीत सिंह मंडलोई, अरिहंत अजमेरा, गौरव काला और जैन समाज के महिला पुरुष उपस्थित थे।

गृह विभाग के आदेश के अनुपालन तथा जन सामान्य के स्वास्थ्य हित हेतु धारा 144 लागू

माही की गूंज, बड़वानी।

कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा ने मध्यप्रदेश शासन के गृह विभाग के आदेश के अनुपालन तथा सामान्य के स्वास्थ्य हित हेतु जिले में 8 नवम्बर तक धारा 144 लागू की है। जिले की सम्पूर्ण राजस्व सीमा में निम्नलिखित श्रेणी के पटाखो के निर्माण एवं विक्रय तथा प्रयोग के संबंध में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है।

जारी आदेशानुसार ऐसे पटाखे जिनके निर्माण में बेरियम साल्ट का विक्रय किया गया हो। लड़ी (जुडे हुये पटाखे) में बने पटाखे। पटाखे जिनके तीव्रता विस्फोटक स्थल से 4 मीटर की दूर पर 125 डेसीमल से अधिक ना हो। पटाखे जिनके निर्माण में एन्टीमोनी, लिथियम, मरक्यूरी अरसेनिक, लीड, स्टोरन्टीयम का उपयोग किया गया हो। पटाखो का ई-कामर्स कम्पनियो अथवा निजी व्यक्तियो द्वारा आनलाईन विक्रय तथा गैर लायसेंसी विक्रय।घोषित शांति क्षेत्र के भीतर 100 मीटर की दूरी तक। रात्रि 8 बजे के पहले तथा रात्रि 10 बजे के बाद पटाखे चलाना। आदेश का उल्लंघन होने की दशा में भारतीय दण्ड संहिता की धारा 188 तथा अन्य दण्डात्मक प्रावधानो के अंतर्गत संबंधित के विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी ।

पीओएस मशीन से उर्वरक विक्रय हेतु लगाई गई ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों की ड्यूटी

माही की गूंज, बड़वानी।

भारत सरकार द्वारा उर्वरकों की आपूर्ति एवं उपलब्धता की सतत मॉनिटरिंग की जा रही है। उर्वरकों की कालाबाजारी, औद्योगिक गैर कृषि उपयोग हेतू अनुदानित उर्वरक की टेगिंग पर सख्त निगरानी रखने के निर्देश दिये गये है, तथा शासन द्वारा उर्वरक वितरण के संबंध में समीक्षा की जा रही है। उक्त समीक्षाओं में निरंतर निर्देशित किया जा रहा है कि जिलों के उर्वरक विक्रेताओं द्वारा उर्वरक विक्रय उपरांत पीओएस मशीन से उर्वरक स्टॉक कम नही कर रहे है। जिससे जिले को मांग अनुसार उर्वरकों का आवंटन नही होता है।

कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा ने शासन के निर्देशों के परिपालन में ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों की ड्यूटी लगाई है। संबंधित ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी आदेशानुसार संबंधित सहकारी एवं निजी उर्वरक प्रतिष्ठानों पर प्रतिदिन उपस्थिति देकर पीओएस मशीन के माध्यम से उर्वरक का विक्रय सुनिश्चित करवायेंगे।

पर्यावरण संरक्षण पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

माही की गूंज, बड़वानी।

कृषि विज्ञान केन्द्र बड़वानी के प्रमुख डॉ. एस. के. बड़ोदिया के मार्गदर्शन में एवं कृषि विभाग बड़वानी के सहयोग से केन्द्र के सभागार में पर्यावरण एवं स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया । गौवर्धन पूजा के उपलक्ष्य में मुख्यमंत्री जी की अध्यक्षता में पर्यावरण सरंक्षण विषय पर कुशाभाऊ ठाकरे अंतराष्ट्रीय सभागृह, भोपाल में आयोजित कार्यक्रम का सीधा प्रसारण केन्द्र के सभागार में कृषकों हेतु आयोजित किया गया । इस कार्यक्रम में उपस्थित वक्ता द्वारा प्राकृतिक खेती अपनाने पर जोर दिया एवं मुख्यमंत्री जी द्वारा कृषकों से पर्यावरण संरक्षण की बात कहीं । केन्द्र पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान केन्द्र प्रमुख डॉ. बड़ोदिया ने कृषकों को पर्यावरण संरक्षण हेतु अपनाये जाने वाले उपायों पर चर्चा की व अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने की सलाह देकर स्वच्छता पर जोर दिया। अंत में केन्द्र के तकनीकी अधिकारी श्री उदयसिहं अवास्या द्वारा सभी उपस्थित कृषक, कृषि अधिकारीगण को स्वच्छता की शपथ दिलाई व सभी से दैनिक जीवन में अपनाने की बात कहीं। इस कार्यक्रम के सफलतापूर्वक आयोजन में कृषि विभाग बड़वानी से शांतिलाल पवार, सहायक संचालक कृषि, सुरेश मण्डलोई, एस.ए.डी.ओ. एवं केन्द्र के मौसम अन्वेषक रविन्द्र सिकरवार, कार्यालय अधीक्षक रंजीत बारा एवं जितेन्द्र अलावा ने सहयोग प्रदान किया।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020

बदल गया रिजल्ट का पैटर्न, अब अंक नहीं ग्रेड मिलती, कॅरियर सेल कर रहा समाधान

माही की गूंज, बड़वानी।

राष्ट्रीय शिक्ष नीति-2020 के अंतर्गत न केवल अध्ययन के विषयों का विस्तार हुआ है, बल्कि परीक्षा पद्धति और रिजल्ट का पैटर्न भी बदल गया है। पहले बी.ए., बी.कॉम., बी.एससी, बी.बी.ए., बी.एच.एससी. जैसे पाठ्यक्रमें में मार्कशीट प्राप्त होती थी, जिसमें अलग-अलग विषयों में विद्यार्थियों द्वारा प्राप्त किये जाने वाले अंक लिखे होते थे, अब ग्रेड शीट प्राप्त होती है, जिसमें विद्यार्थियों को एफ से लेकर ओ तक की ग्रेड दी जाती हैं। बदले हुए रिजल्ट पैटर्न के अनुसार विद्यार्थियों को अध्ययन करना चाहिए ताकि वे सभी विषयों में अच्छी ग्रेड प्राप्त करके बढ़िया एजीपीए प्राप्त कर सकें।

उक्त बातें शहीद भीमा नायक शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बड़वानी के स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्षन प्रकोष्ठ के कॅरियर काउंसलर डॉ. मधुसूदन चैबे ने विद्यार्थियों को यू-ट्यूब के माध्यम से ऑनलाइन जानकारी देते हुए कहीं। कॅरियर सेल प्राचार्य डॉ. एनएल गुप्ता के मार्गदर्शन में निरंतर कार्यरत है। कार्यकर्तागण प्रीति गुलवानिया एवं किरण वर्मा ने बताया कि देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर ने स्नातक प्रथम वर्ष की कक्षाओं के परीक्षा परिणाम घोषित कर दिये हैं। नये पैटर्न पर आधारित रिजल्ट होने के कारण विद्यार्थियों को रिजल्ट समझने में कठिनाई आ रही है। इस कठिनाई के निवारण के लिए कॅरियर सेल द्वारा ऑफलाइन और ऑनलाईन सेशन आयोजित किये जा रहे हैं।

इतने प्रकार की हैं ग्रेड

डॉ. मधुसूदन चैबे ने बताया कि, कुल मिलाकर आठ प्रकार की ग्रेड्स हैं। विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न विषयों में प्राप्त किये गये प्रतिशत अंकों के आधार पर अलग-अलग ग्रेड दी जाती है। 90 से 100 प्रतिशत अंक लाने पर ओ यानी आउटस्टेंडिंग, 80 से 89 प्रतिशत अंक पर ए प्लस यानी एक्सीलेंट, 70 से 79 प्रतिशत अंक पर ए यानी वेरी गुड, 60 से 69 प्रतिशत अंक पर बी प्लस यानी गुड, 50 से 59 प्रतिशत अंक पर बी यानी अबोव एवरेज, 40 से 49 प्रतिशत अंक पर सी यानी एवरेज, 35 से 39 प्रतिशत पर पी यानी पास और 0 से 34 प्रतिशत अंक पर एफ यानी फैल ग्रेड लेटर मिलते हैं।

इतने मिलते हैं ग्रेड प्वाइंट

डॉ. चैबे ने जानकारी दी कि ओ ग्रेड पर 10 ग्रेड प्वाइंट, ए प्लस पर 9 ए पर 8, बी प्लस पर 7, बी पर 6, सी पर 5, पी पर 4 एवं एफ पर 0 ग्रेंड प्वाइंट्स मिलते हैं।

ऐसे ज्ञात की जाती है एजीपीए

डॉ. चैबे ने बताया कि, एजीपीए का फूल फॉर्म एनुअल ग्रेड प्वाइंट एवरेज या वार्षिक ग्रेड प्वाइंट औसत होता है। इसकी गणना करने के लिए प्रत्येक कोर्स की क्रेडिट में ग्रेड प्वाइंट का गुणा करके सभी कोर्सेज के गुणनफल का योग किया जाता है। योग फल में चालीस का भाग देने पर एजीपीए ज्ञात हो जाती है। एजीपीए का बहुत महत्व होता है, अतः प्रत्येक विद्यार्थी को इसकी जानकारी होनी चाहिए ताकि वह अच्छी एजीपीए प्राप्त करने के लिए परिश्रम कर सके।

कॅरियर सेल में करें संपर्क

यदि किसी भी विद्यार्थी को अपना रिजल्ट समझने में कठिनाई आ रही है तो वह कॅरियर सेल में संपर्क करके इसका समाधान प्राप्त कर सकता है। सहयोग वर्षा मुजाल्दे, प्रदीप ओहरिया, स्वाति यादव, वर्षा शिंदे, कोमल सोनगड़े, वर्षा मालवीया आदि के द्वारा दिया जा रहा है।

गौवर्धन पूजा प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का उत्सव - मुख्यमंत्री

गौवर्धन पूजा के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को वर्चुअली सुना और देखा

माही की गूंज, अलीराजपुर।

मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने गोवर्धन पूजा के अवसर पर आयोजित कायर्क्रम को संबोधित करते हुए कहा, गोवर्धन पूजा प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का उत्सव है। उन्होंने अपने संबोधन में पयार्वरण हितैषी विचार के व्यापक प्रसार की बात कही। उन्होंने कहा, प्रकृति की रक्षा हेतु छोटे-छोटे प्रयासों को बल देना होगा। साथ ही पेड लगाने, पानी बचाने, प्रकृति का संरक्षण करने, बिजली बचाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने प्रकृति के संरक्षण हेतु विभिन्न स्तरों पर प्रयास किए जाने की बात का आह्वान किया। सौर ऊर्जा को लेकर प्रदेश में व्यापक स्तर पर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने प्रत्येक जनमानस से ऊर्जा संरक्षण हेतु कार्य करने की बात कही। ऊर्जा संरक्षण ओर उत्पादन हेतु किए जा रहे कार्यो पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, गोवंश के संरक्षण हेतु सभी को सामूहिक प्रयास करने होंगे। ग्रीन सिटी इन्डेक्स हेतु विशेष प्रयास किये जाने के आवश्यकता है। उन्होंने आह्वान किया कि, जन्मदिवस, परिजनों की याद अथवा किसी विशेष अवसर पर पौधारोपण अवश्य करें। इसके लिए प्रत्येक जिले में इसके लिए विशेष प्रयास किए जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्राकृतिक खेती के लिए विशेष प्रयास किए जाने की बात पर बल दिया। उन्होंने प्राकृतिक खेती का आह्वान किया। उन्होंने मिशन लाइफ को सफल बनाने एवं ग्रीन जीडीपी पर प्रदेश में गंभीरता के साथ प्रयास किए जाने जा रहे है।

मुख्यमंत्री के संबोधन को अलीराजपुर में लाइव टेलीकास्ट माध्यम से सुना और देखा गया। कलेक्टोरेट कार्यालय स्थित वीसी कक्ष के माध्यम से कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभिषेक चौधरी सहित बडी संख्या में जन अभियान परिषद के वोलेंटियर्स ने उक्त संबोधन को वर्चुअली सुना और देखा। इस अवसर पर प्रकृति संरक्षण, जल बचाने, पौधारोपण हेतु सामूहिक संकल्प लिया गया।

कलेक्टर ने विभिन्न ग्रामों का भ्रमण करते हुए पशुओं के उपचार का लिया जायजा

माही की गूंज, अलीराजपुर।

कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने जोबट क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों कनवाडा, चमारबेगड़ा आदि ग्रामों का निरीक्षण करते हुए पशुओं में लम्पी रोग तथा उनके उपचार तथा टीकाकरण की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने ग्रामीणों से चर्चा करते हुए पशुओं को लम्पी रोग से बचाव हेतु जारी आवश्यक दिशा निदेर्शों का पालन करने का आह्वान करते हुए मैदानी अमलें को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने पशु चिकित्सा विभाग के अधिकारीगण एवं मैदानी अमले को निर्देश दिए कि, मैदानी स्तर पर सूचना मिलते ही तत्काल पहुंचकर स्थिति का जायजा लेते हुए पशुओं का उपचार किया जाए। उन्होंने ग्रामीणों को भी आश्वस्त किया कि, जिला प्रशासन एवं पशु चिकित्सा विभाग आपके साथ है, पशुओं में होने वाली लम्पी अथवा किसी भी तरह की बिमारी होने पर तत्काल सूचना दें पशुओं का इलाज तत्काल किया जाएगा। उन्होंने मैदानी अमले को निर्देश दिए कि, पशुओं का शत प्रतिशत टीकाकरण तथा लम्पी वायरस संबंधित जानकारी मिलने पर तत्काल पशुओं के इलाज एवं टीकाकरण संबंधित निर्देश दिए। इस दौरान डीडीए पशुपालन जीएस सोलंकी सहित अन्य मैदानी अमला उपस्थित था।

गौशाला में गायों का किया पूजन

गोवर्धन पूजा के अवसर पर उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं डॉ. जीएस सोलंकी के नेतृत्व में पशुचिकित्सक गण एवं स्टॉफ सदस्यों ने सोमकुआं एवं नानपुर स्थित गौशाला का निरीक्षण करते हुए पशुओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया तथा यहां स्थित पशुधन का पूजन किया।

हर्षोल्लास के साथ की गौवर्धन पूजा, मन्दिरों में मनाया अन्नकूट उत्सव

माही की गूंज, आम्बुआ।

दीपोत्सव के दूसरे दिवस गोवर्धन पूजा तथा मंदिरों में अन्नकूट मनाया जाता है, मगर इस बार सूर्य ग्रहण होने के कारण यह आयोजन मंगलवार की बजाय बुधवार को मनाया गया।

क्षेत्र के पशुपालक गौवंशों में बीमारी के कारण ग्रामीण क्षेत्र में भले ही दीपोत्सव आदि नहीं मना रहे। मगर कस्बा क्षेत्र में कई परिवारों ने आज गोवर्धन पूजा की गई। गोबर से बने श्री गोवर्धन नाथ की आकृति का महिलाओं द्वारा विधि विधान के साथ पूजा अर्चना की गई।

श्री राम मंदिर में अन्नकूट महोत्सव भी मनाया गया, भगवान को छप्पन भोग के साथ ही विभिन्न प्रकार की सब्जियां जिन्हें चतुर्मास (वर्षाकाल) में खाने से निषेध कर दिया जाता है वे सभी सब्जियों को एक साथ मिलाकर अन्नकूट की प्रसादी बना कर भगवान को भोग लगाया गया। माह आरती पश्चात भक्तों में यह प्रसादी वितरित की गई।

मंदिर के पुजारी शंकर लाल पारीख ने बताया कि, दीपावली के बाद पड़वा तिथि को मनाया जाता रहा है। मगर इस बार इस तिथि में सूर्य ग्रहण होने के कारण 1 दिन बाद अन्नकूट महोत्सव मनाया गया। जिसमें रामायण मंडल के सभी सदस्यों तथा कस्बे एवं अन्य स्थानों के धर्म प्रेमियों का विशेष सहयोग रहा।

फटाके जलाते समय हुई एक युवती की मौत

माही की गूंज, मंदसौर।

भागवढ़ थाना क्षेत्र के गांव करजू में बुधवार को गोवर्धन पूजा के दौरान पटाखा जलाने के दौरान हादसा हो गया। इसमें एक युवती की मौत हो गई। युवती ने फार्मेसी की पढ़ाई कर रखी है और गांव में ही ब्यूटी पॉर्लर भी चलाती है। गोवर्धन माली की बेटी टीना माली की गोवर्धन पूजा के ही दिन ही पटाखे से हुए हादसें में मौत हो गई। टिफिन के नीचे पटाखा रखकर जलाने के दौरान टिफिन का एक हिस्सा उड़कर युवती के पैर में लगा। इससे वह गंभीर रुप से घायल हो गई और मंदसौर ले जाते समय उसकी मौत हो गई।

जानकारी अनुसार गांव करजू में पटाखे जलाते हुए समय 22 वर्षीय टीना पिता गोवर्धनलाल माली परिवार के साथ बुधवार को गोवर्धन पूजा का जश्न मना रही थी। इस दौरान पटाखे जलाने के दौरान उसने टिफिन के नीचे रखकर पटाखा जलाया। टिफिन का का ढक्कन पटाखे पर रखकर फोड़ रही थी। पटाखा फूटने के बाद ढक्कन का एक हिस्सा युतवी के पैर में लगा। इससे वह घायल हो गई। परिजन तुरंत टीना को उपचार के लिए अस्पताल ले जा रहे थे तभी बीच रास्ते में उसकी मौत हो गई। इस हादसे के बाद परिवार में दीपावली की खुशिया अचानक मातम में बदल गई। शाम को युवती का अंतिम संस्कार किया गया। परिजनों का रो-रोककर बूरा हाल है।

फांसी लगाकर युवक ने की आत्महत्या

माही की गूंज, मंदसौर।

जिले के नारायणगढ़ थाना क्षेत्र के नापाखेड़ा गांव में एक अधेड़ व्यक्ति ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक ने अपने ही घर की छत से लटक कर आत्महत्या की है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की है।

नारायणगढ़ थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आज सुबह पुलिस को ग्रामीणों से सूचना मिली थी कि नापाखेड़ा गांव में एक व्यक्ति की लाश छत की गैलरी से लटकी हुई है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार मृतक बालू पिता भेरूलाल (50) निवासी नापाखेड़ा ने अपने घर बाहर छत की गैलरी से रस्सी बांध फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि, मृतक शराब का आदी था। बहरहाल मामले में नारायणगढ़ पुलिस ने मर्ग कायम करते हुए आत्महत्या की वजह तलाश रही है।

अवैध गांजे की खेती करने वाले के विरूद्ध कार्यवाही

माही की गूंज,थांदला।

वर्तमान में शासन के निर्देशानुसार अवैध मादक पदार्थ के विरूद्ध कठोर से कठोर कार्यवाही हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के अन्तर्गत अवैध मादक पदार्थ में संलिप्त अपराधियों के विरूद्ध सख्य कार्यवाही हेतु पुलिस अधीक्षक झाबुआ द्वारा जिले के समस्त थाना प्रभारियों को निर्देशित करने पर पुलिस थाना थांदला द्वारा उक्त निर्देश का कड़ाई से पालन करते हुए अपने मजबूत मुखबीर सूचना तंत्र के आधार पर ग्राम कोटडा में उदयसिंह पिता मानसिंह सिंगाड निवासी भीमकुण्ड के बईडा वाले खेत में कपास की फसल के बीच अवैध रूप से गांजे के पौधे उगाये जाने की सूचना प्राप्त होने पर तत्काल दबिश देकर उदयसिंह के खेत से अवैध गांजे के पौधे कुल 35 नग कुल वजन 12 किलो 900 ग्राम किमती 1.29.000 रुपये के जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर थाना थांदला पर अपराध क्रमांक 692/2022 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट का पंजीबद्ध कर विवेचना की जा रही है। पूर्व में इस प्रकार की सख्य कार्यवाही करते हुए अवैध गांजे के पौधे जप्त किये जाकर अभियान को सफल बनाया जा रहा है।

उक्त सराहनीय कार्य अअपु थांदला के मागदर्शन में निरीक्षक कौशल्या चौहान, सउनि महावीरसिंह विश्वकर्मा, कार्यवाहक सउनि जितेन्द्रसिंह दोहरे, कार्यवाहक सउनि अशरफ खान, कार्यवाहक प्रधान आरक्षक महेन्द्र नायक, कार्यवाहक प्रधान आरक्षक रेवसिंह चौहान, आरक्षक राजेन्द्र चौहान, आरक्षक पुखराज गुर्जर, आरक्षक योगेश तौमर आरक्षक कुंवरसिंह रावत की मुख्य भूमिका रही।

धूम-धड़ाके के साथ मनाया दीपोउत्सव, महंगाई का दिखा असर

माही की गूंज, आम्बुआ।

आम्बुआ तथा आसपास के क्षेत्रों में दीपों का त्यौहार धूम-धड़ाके के साथ मनाया गया। हालांकि ग्रामीण क्षेत्रों में गोवंश की बीमारी तथा उससे मृत्यु से दुखी पशुपालकों ने दीपोत्सव नहीं मनाया।

कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या को मनाया जाने वाला दीपों का त्यौहार जो कि भगवान राम के 14 वर्ष वनवास के बाद लंका विजय कर अयोध्या लौटने की खुशी में संपूर्ण भारत में दीप जलाकर हर्ष व्यक्त किया गया था। तभी से यह त्यौहार प्रतिवर्ष धूम धाम से मनाया जाता है। लगभग 1 सप्ताह तक विभिन्न रूपों में यह त्यौहार मनाया जाता है। इस बार महंगाई का असर भी त्यौहार पर दिखाई दिया। त्यौहार संबंधित खाद्य सामग्री के साथ आतिशबाजी के सामान भी अधिक महंगे होने से खरीदी कम देखी गई इसके बावजूद रात भर धूमधड़ाका चलता रहा। इधर ग्रामीण क्षेत्रों में पिछले महीने गोवंशो मे लम्पी बीमारी तथा उससे हो रही मौतों के कारण ग्रामीण कृषकों को तथा पशुपालकों ने दीपोत्सव नहीं बनाया। जिस कारण बाजारों में रौनक नहीं रही, जो त्योहारों पर देखी जाती रही है। ग्रामीण अब दीपावली आगामी दिनों में देवउठनी ग्यारस तक मनाएंगे।

आपसी रंजिश के चलते सरपंच पति की गला काटकर की निर्मम हत्या, आरोपी गिरफ्तार

माही की गूंज, आम्बुआ।

आम्बुआ थाना क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्र आम्बी में आपसी रंजिश के कारण ग्राम पंचायत आम्बी की महिला सरपंच के पति रतन सिंह पिता भंगड़ा बामनिया भील (45) की धारदार हथियार से गला काटकर हत्या कर देने का सनसनी खेज मामला सामने आया है। मामले में नामजद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। घटना की सूचना पर थाना प्रभारी दिलीप सिंह चंदेल द्वारा प्रकरण कायम कर विवेचना की जा रही है। मृतक का अंतिम संस्कार पुलिस निगरानी में कराया गया। गांव में तनाव पूर्ण माहौल होने से पुलिस की सतत निगरानी जारी है।

हमारे आम्बुआ संवाददाता को आम्बुआ पुलिस थाना प्रभारी ने बताया कि, थाना आम्बुआ पर 19 अक्टूबर को आम्बी निवासी रेशम पति रतनसिंह बामनिया भील ने सूचना दी कि, 19 अक्टूबर की शाम 6 बजे के लगभग उनके पति रतनसिंह पिता भंगड़ा भील (45) की कुछ लोगों ने फालिया मार कर हत्या कर दी। उसने अपने बयान में नामजद आरोपी सुनील पिता राधेसिंह मेहड़ा भील निवासी आम्बी तथा छगन पिता कुवरसिंह बंडूडिया भील निवासी छोटी सर्दी के नाम का उल्लेख किया है।

घटना के पीछे पुरानी रंजिश बताई जा रही है। कुछ माह पूर्व 2021 उपचुनाव के समय मृतक रतनसिंह के घर पर सहकारी संस्था के सेल्समैन जबलसिंह चौहान की हत्या हो गई थी। जिसमें रतनसिंह आदि ने राधेसिंह तथा उसका लड़का विशाल तथा राधेसिंह का भाई निहालसिंह पर हत्या का आरोप लगाकर उन्हें जेल भिजवा दिया था। जिसमें राधेसिंह अभी भी जेल में है जिसकी रंजिश के कारण रतनसिंह की हत्या की गई। स्मरण रहे कि, मृतक की तीन पत्नियां है जिसमें से सुमी बामनिया ग्राम सरपंच है। सूचना पर आम्बुआ थाने पर अ.क्र. 266/22 धारा 302/34 के तहत प्रकरण कायम कर थाना प्रभारी दिलीप सिंह चंदेल द्वारा विवेचना की जा रही है। मृतक का शव परीक्षण उपरांत पुलिस निगरानी में अंतिम संस्कार कराया गया। इस सनसनीखेज घटना से ग्राम में खोफ तथा आक्रोश छाया हुआ है। पुलिस घटना स्थल के आसपास की सतत निगरानी रखे हुए हैं। घटना के बाद आरोपी सुनील पिता राधेसिंह मेहड़ा भील निवासी आम्बी तथा छगन पिता कुवरसिंह बंडूडिया भील निवासी छोटी सर्दी फरार थे जिन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है।

गाय गोहरी पर्व पर बिखरी परंपरा की छटा, मन्नतधारियों के ऊपर से गुजरी गायें

पड़वा पर पंपावती नदी किनारे हुआ गाय गोहरी का आयोजन

माही की गूंज, पेटलावद।

साडू माता की जय, गोविंद बोलो हरि गोपाल बोलो... की गूंज माहौल में भक्ति का उल्लास बिखेर रही थी। सात श्रद्धालु श्रद्धा और साहस के साथ हाथों में छोटे-छोटे मुर्गी के चूजे लिए खड़े थे। गायों को आता देख हाथों से चूजे को उड़ाया और औंधे जमीन पर लेट गए। देखते ही देखते गाय के रूप में लक्ष्मीजी जमीन पर लेटे मन्नतधारियों के ऊपर से गुजरीं तो लोगों की आस्था आसमान तक जा पहुंची। मोर पंख, रंग और फुंदों से सजी गायों के साथ हजारों भक्तों ने दर्शन कर पूण्यलाभ कमाया। दीपावली के दूसरे दिन पड़वा पर पंपावती नदी के किनारे गाय गोहरी पर्व देखने के लिए सुबह और शाम दोनो समय हजारों लोग जुटे। मुख्य रूप से आदिवासी, गुर्जर व सिर्वी समाज के लोगों ने पर्व में सहभागिता की। विकास खण्ड के ग्राम अमरगढ़, बावड़ी, रायपुरिया, बनी, देवली, बोलासा, खोरिया, रूपगढ़ में भी गाय गोहरी पर्व धूमधाम से मनाया गया। पर्व के मद्देनजर पुलिस-प्रासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे। मुक्तिधाम पर खुद टीआई राजूसिंह बघेल, तहसीलदार जगदीश वर्मा कमान संभाले हुए थे। वहीं अन्य पुलिसकर्मी भी टुकड़ियों में रहकर हुड़दंग करने वालो पर नजर बनाए हुए थे।

दीपावली के दूसरे दिन मनाया जाता है यह पर्व

आस्था पर सवाल नहीं खड़े किये जाते और जहां सवाल हों, वहां आस्था खत्म हो जाती है। कुछ ऐसा ही देखने को मिलता है गाय गोहरी के विशेष पर्व पर, जहां गायों के पैरों तले सैकड़ों लोग लेट जाते हैं और गायें उनके ऊपर से निकल जाती हैं। प्राचीन मान्यता है कि, मां गौरी का रूप यानी की गोमाता सुख-समृद्धि और शांति की प्रतीक हैं, शास्त्रों में भी गोमाता के शारीर में 33 कोटि देवी-देवताओं का वास बताया गया है। इस ऐतिहासिक परम्परा में लोगों की अटूट आस्था के चलते मन्नतधारियों को मामूली नुकसान से ज्यादा कुछ नहीं होता। सदियों से चली आ रही इस परम्परा में आज तक कोई हादसा नहीं होना इन लोगों की आस्था को और मजबूत करता है। आदिवासी समाज में ये मान्यता है कि गाय के पैरों के नीचे बैकुंठ होता है। गाय गोहरी के पूर्व खुले मैदान में भव्य आतिशबाजी भी की जाती है। मन्नतधारी अपनी बीमारी से छुटकारा पाने के लिए, घर में सुख- शांति और समृद्धि के साथ-साथ संतान प्राप्ति के लिए भी ऐसा करते है। आदिवासी जिले में मनाया जाने वाला पर्व अपनी विविधता के चलते पूरे देश में आकर्षण का केंद्र भी रहता है।

धूमधाम में मनाया गाय गोहरी पर्व

माही की गूंज, थांदला।

गोवर्धन पूजा के अवसर पर थांदला में होने वाले पारंपरिक गाय गोहरी पर्व में उपस्थित होकर मन्नत धारियों का स्वागत किया गया। इस अवसर पर हिन्दू जागरण मंच के जिला संयोजक कमलेश वर्मा, नपा अध्यक्ष पति सुनिल पणदा, भाजपा नेता समाजसेवी अनिल भंसाली, संजय भाभर, पार्षद मित्र कन्नू मोरिया, जितेंद्र राठौर सहित अन्य पदाधिकारी शामिल हुए।

गाय गोहरी करने वाले मन्नतधारी बंधु गौ भक्त होकर गौहत्या के कट्टर विरोधी भी होते है। मन्नत धारी वर्ष भर की गलती के लिए गोमाता से क्षमा याचना करने के लिए गायों के निचे लेट कर क्षमा याचना मांगते हैं। गायों का झुंड अपने ऊपर से निकाल कर अपनी आठ दिवसीय तपस्या पूर्ण करते हैं। अबकी बार सूर्य ग्रहण होने से ग्रामीण क्षेत्रों में दो दिनों तक गाय गोहरी पर्व मनाया गया।

मंदिरों में आयोजित किया अन्नकुट महोत्सव

माही की गूंज, थांदला।

अन्नकूट का त्यौहार उज्ज्वल पखवाड़े के पहले दिन मनाया जाता है, जिसे कार्तिक महीने में शुक्ल पक्ष के रूप में भी जाना जाता है। कार्तिक के हिंदू महीने में, दिवाली के मुख्य दिन के ठीक अगले दिन अन्नकूट पूजा, गोवर्धन पूजा या बाली प्रतिपदा मनाई जाती है। इस वर्ष अन्नकूट या गोवर्धन पूजा दिपावली के दुसरे दिन मनाया गया, तिथी की हेरा-फेरी और सूर्य ग्रहण के कारण इस बार मंदिरों में अन्नकुट महोत्सव को दुसरे दिन मनाया गया। अन्नकूट, आदर्श रूप से भगवान कृष्ण को अर्पित करने के लिए (छप्पन भोग) सहित भोजन तैयार करके मनाया जाता है।

थांदला अति प्राचीन मलुकदासजी द्वारा निर्मित बड़े रामजी मंदिर पर अन्न कुट महोत्सव सम्पन्न हुआ। जहां 10 क्विंटल की शबजी और 10 क्विंटल शक्कर के मालपुआ बनाया गया। देर शाम मंदिर में राम जी की महाआरती पश्चात प्रसादी ग्रहण करने हेतु बड़ी संख्या में श्रद्धालु की भीड़ देखी गई। श्रद्धालुओं ने जहां जगह मिली, लोगों के घरों में, रोड़ पर, ओटलो पर बैठ कर महाप्रसादी ग्रहण की। यह सिलसिला रात 11 बजे तक चला।

वहीं लक्ष्मीनारायण मंदिर पर भी अन्न कुट महोत्सव सम्पन्न हुआ। अन्न कुट महोत्सव में अनुसूचित जनजाति अध्यक्ष कलसिंह भाबर, नगरपरिषद अध्यक्ष पति सुनिल पणदा, मंडल अध्यक्ष समर्थ उपाध्याय, सचिन सोलंकी, नगरपरिषद उपाध्यक्ष पंकज जागीरदार, रामायण मंडल के पदाधिकारी के साथ नगर के सभी सनातनियों ने भोजन प्रसादी ग्रहण की।

गवली समाज ने धूमधाम से चढ़ाई ध्वजा

माही की गूंज, थांदला।

प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी गवली समाजनो द्वारा अपने-अपने घर पर गोबर से गोवर्धन पर्वत बनाया और पूजा अर्चना की साथ ही अपने-अपने पशुओं को आकर्षक सजाया गया। इसके बाद समस्त समाज जन सांवलिया सेठ मंदिर पर इकट्ठे हुए, भगवान सांवलिया सेठ एवं नर्मदे हर महादेव मंदिर पर ध्वजा चढ़ाई गई। इसके पश्चात आरती की गई एवं सांवरिया सेठ और नर्मदेश्वर महादेव के दानपात्र खोले गए। जिसके साथ ही एक नवम्बर गोपाष्टमी के दिन होने वाले सांवलिया सेठ अन्नकूट महोत्सव की रूपरेखा बनाई गई। जिसमें समाज के महिला एवं पुरुषों ने अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता की। अंत में युवा लड़कों ने समाज के वरिष्ठजनों से चरण स्पर्श कर आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठ सदस्य मांगीलाल मोरिया, भैरूलाल मेहता, ननुभाई पटेल, पन्नालाल ररा, मूलचंद ररा, नवनिर्वाचित पार्षद व सांवलिया सेठ मंदिर समिति के अध्यक्ष कन्नू मोरिया, दिनेश मोरिया, जितेंद्र मोरिया, मांगीलाल मेहता, मोहन राठौर, हुक्मीचंद दुबेला, पवन बानिया, सचिन बानिया, शेखर बानिया, भरत मेहता, गोपाल ररा सहित समस्त समाज जन उपस्थित रहे।

घर-आंगन में गौबर से बनाए गए श्री गौवर्धन पर्वत, हुई गोवर्धन पूजा-आरती

गोपाल कॉलोनी में रहवासियों ने मिलकर मनाया श्री गौवर्धन-पूजा पर्व

झाबुआ के गोपाल कॉलोनी में रहवासियों ने मिलकर गौबर से बनाए सुंदर गौवर्धन पर्वतजी।

माही की गूंज, झाबुआ।

जिलेभर में बुधावर को गौ-वर्धन पूजा का विशेष उत्साह रहा। हिंदू रिति-रिवाज के अनुसार दीपावली के अगले ही दिन गौवर्धन-पूजन पर्व मनाया जाता है, लेकिन इस वर्ष सूर्यग्रहण की वजह से गौ-वर्धन पूजा एक दिन बाद बुधवार को पूरे क्षेत्र में धूमधाम से एवं हर्षोल्लासपूर्वक मनाई गई। जिसमें महिला-पुरुषों और बच्चों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया।

शहर के वार्ड क्रमांक-12 गोपाल कॉलोनी में पुलिस कंट्रोल रूम के सामने रहवासियों ने मिलकर प्राचीन समय से मनाए जा रहे पारंपरिक पर्व गौ-वर्धन पूजा को हर्षोल्लासपूर्वक मनाया। गोपाल कॉलोनी निवासी वरिष्ठ श्रीमती मनोरमा डावर ने बताया कि गौ-वर्धन पूजा भगवान श्री कृष्णजी के अवतार के बाद द्वापर युग से चल आ रहीं है। भगवान श्री कृष्ण ने तेज अतिवृष्टि और तूफान के समय श्री गौवर्धन पर्वत उठाकर भक्तजनों को उनके आश्रय में लाकर उनका संरक्षण किया था। इस पर्व का सनातन एवं हिन्दू संस्कृति में विशेष महत्व है।

गौबर से बनाए गए श्री गौवर्धन पर्वत, की पूजन-आरती

इसी क्रम में कॉलोनी के रहवासियों ने मिलकर अपने घरों के आंगन में गाय के ताजे गौबर से गौवर्धननाथजी की अल्पना अर्थात श्री गौवर्धन पर्वत बनाकर उनका पूजन किया। जिसके बाद समस्त महिला एवं पुरुषों एवं बच्चों ने मिलकर भगवान की आरती की। गोवर्धनजी की परिक्रमा लगाई। बाद प्रसादी ग्रहण की। जिसके बाद एक-दूसरे को मिलकर एवं बड़ों को चरण स्पर्श कर दीपावली तथा नववर्ष की शुभकामनाएं प्रेषित की। प्रायः अलग-अलग क्षेत्रों और गांवों में ग्रामीणजन, विशेषकर ग्वाल समाज के लोग अपने-अपने घरों के परिसर एवं आंगन में गौबर से श्री गौवर्धन पर्वत बनाते है, लेकिन गोपाल कॉलोनी के रहवासियों ने एकता का परिचय देते हुए एक स्थान पर एकत्र होकर एक ही श्री गौवर्धनजी पर्वत बनाकर सामूहिक कार्यक्रम कर एकता की मिसाल प्रस्तुत की।

गौ-वर्धन पूजन में बड़ी संख्या में महिला-पुरुष एवं बच्चों की सहभागिता रहीं। जिसमे मुख्य रूप से श्रीमती मनोरमा डावर, श्रीमती समप्तबाई राठौर, अन्नू हरिनखेडे, निशा राठौर, ममता करदम, सोनू शर्मा, पूनम राठौर, पूनम डावर, संस्कृति राठौर, मुस्कान करदम, आशा राठौर, मंजु मोहता, भावना सोलंकी, प्रेमलता, वरिष्ठ प्रकाश डावर, रणछोड़लाल राठौर, महेश राठौर, गोपाल राठौर, नरेन्द्र राठौर, हरिओम, वेदांत, संस्कार, कृष्णा, अमित डावर, सोनू सोलंकी, अमरसिंह मोहता आदि उपस्थित थे।

बृजवासी समाज ने मनाया गौ-वर्धन पूजन पर्व

माही की गूंज, झाबुआ।

झाबुआ के सज्जन रोड़ पर छोटे तालाब के समीप निवासरत बृजवासी समाज की महिलाओ ने गौ-वर्धन पूजा पर गौबर से बनाए गौ-वर्धन पर्वतजी।

शहर में बृजवासी समाज द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी गौ-वर्धन पूजन पर्व मनाया। इस दिन समाज की महिलाओं एवं बालिकाओं ने अपने घरों के आंगन में गौबर से गौवर्धन-पर्वत बनाकर उनकी पूजन-आरती की।

ज्ञातव्य रहे कि बृजवासी समाज यह पर्व पीढ़ी-दर-पीढ़ी प्राचीन समय से परपंरागत रूप से मनाता आ रहा है। शहर में बृजवासी समाज के 50 से अधिक परिवार निवासरत है। समाज की महिलाओं द्वारा इस दिन घरों के आंगन में गौ-माता के गौबर से गौवर्धन पर्वतजी की आकृति बनाकर उनकी धूप-दीप कर पंचामृत एवं अन्य सामग्रीयों से पूजन कर आरती की जाती है। दिनभर समाजजनों में विशेष उत्साह रहा।

देव उठनी ग्यारस से विवाह शुरू होंगे

समाज के युवा दादुभाई बृजवासी ने बताया कि आगामी 2 नवंबर, बुधवार को देव उठनी ग्यारस पर्व को भी समाजजन सामूहिक रूप से मनाते है। इस दिन भजन और गीत गाने के साथ दिनभर विशेष उत्साह रहता है। इसके बाद शादियों का दौर भी आरंभ हो जाता है। घरों पर विशेष सज्जा के साथ पूजन-पाठ आदि का क्रम चलता है।

गौवर्धन-पूजन पर सजी गौ-माता की पूजन-आरती की

शहर के राजवाड़ा पर बृजवासी समाज के वरिष्ठ एवं वार्ड क्र. 9 मालीसेरी गली के रहवासी मुकेशभाई सतोगिया ने प्राचीन एवं पारंपरिक परंपरा का निर्वहन करते हुए अपने निवास पर वर्षों से पल रहीं गौ-माता का गौवर्धन पूजा के अवसर पर श्रृंगार करवाया। गौ-माता का रंगो, मोर-मुकुट, पंखों से सुंदर श्रृंगार पेंटर महबूब भाई ने किया। गौ-माता को गंगा-कावेरी के रूप में श्रृंगारित करने के बाद मुकेश सतोगिया ने सजी गौ-माता को अपने निवास पर ले जाकर परिवार सहित गौ-माता की पूजन-आरती की।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422